Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 08 January 2025 ● Year : 02 ● Issue : 346 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

ASCOT
INTERNATIONAL SCHOOL
Today a reader, Tomorrow a leader

AFFILIATED TO C.B.S.E, NEW DELHI
SENIOR SECONDARY SCHOOL, C.B.S.E [10+2]

Affiliation No.: 3430607 School No.:66686

PRESENTS

PAINTING COMPETITION

REGISTRATION FEE ₹50/

On

9th February 2025 (SUNDAY)

Last Date of Registration
1st February 2025 (Saturday)

REGISTER TODAY

CATEGORY-1
Grade I to IV
1st Prize ₹5000/- | 2nd Prize ₹3000/- | 3rd Prize ₹2000/-

CATEGORY-2
Grade V to VII
1st Prize ₹11000/- | 2nd Prize ₹7000/- | 3rd Prize ₹5000/-

CERTIFICATES & EXCITING PRIZES TO THE PARTICIPANTS

FOR REGISTRATION

किसी भी विद्यालय के छात्र एवं छात्रा जो वर्ग 1 से 7 के हो।

9534662000

Bharat Mata Chowk, Harmu Road, Ranchi
e-mail : ascotschool.ranchi@gmail.com
Website: www.ascotschool.org, ascotschool.ranchi

BRIEF NEWS

झाड़ियों में मिली युवक की डेड बॉडी, हत्या की आशंका

RANCHI : मंगलवार को अनगड़ा थाना क्षेत्र के चंदवाटुंगरी अंबाझरिया में पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया। मृतक की पहचान मुलायम अहीर के रूप में की गई है। वह बेलजारा गांव का रहने वाला था। युवक के शव पर धारधार हथियार से वार के निशान पाए गए हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार, मुलायम कोलकाता में किसी कंपनी में काम करता था। वह कुछ दिन पहले ही गांव आया था। कुछ लोगों ने युवक को मारकर उसके शव को झाड़ियों में फेंक दिया। अनगड़ा थानेदार ने बताया कि एक युवक का शव मिला है।

ओटीसी ग्राउंड में नमो पतंग उत्सव 13 को

RANCHI : श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सानिध्य में आगामी 13 जनवरी को ओटीसी ग्राउंड रातू रोड के मैदान में नमो पतंग उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सांसद व रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने पतंग उत्सव की शुरूआत झारखंड में 2006 में की थी। जो निरंतर उनके प्रयास से प्रत्येक वर्ष होता आ रहा है। आयोजन के संरक्षक रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ हैं। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि हिंदू धर्म के संग हमारी भारतीय संस्कृति का निर्वाह करते हुए मकर संक्रांति व लोहड़ी के पावन मंगल शुभ अवसर पर नमो पतंग उत्सव का भव्य आयोजन 13 जनवरी को रातू रोड के ओटीसी ग्राउंड में दिन के 11.30 बजे से शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भक्ति में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कार्यक्रम शुरू किया जायेगा।

कांग्रेस भवन में पूर्व सांसद शिव प्रसाद की मनी जयंती

RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान पर मंगलवार को पूर्व सांसद स्व. शिव प्रसाद साहू की जयंती कांग्रेस भवन रांची मनाई गई। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी समेत कांग्रेसजनों ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वर्गीय शिव प्रसाद साहू एक प्रतिभावान एवं परिश्रमी व्यक्ति थे।

रामकृष्ण मंदिर में भक्तों का दिखा हुजूम

RANCHI : कठहल मोड़ स्थित पुंदाग में राधा कृष्ण मंदिर में तीसरे दिन भी भक्तों का जैनसलाब उमड़ा। मंदिर में संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज ने मंगलवार को भागवत कथा सुनाया। उन्होंने भगवान कृष्ण और सखा सुदामा लीला की मार्मिक प्रसंगों का वर्णन किया। प्रेम भाव से श्रीमद्भागवत का पूजन किया। स्वामी श्री सदानंद जी महाराज ने भक्तों को भागवत कथा सुनाया। कहा कि दुख- सुख को समझने वाले जिस धैर्यवान पुरुष को एक इंद्रियों के विषयों के संजोग व्याकुल नहीं करते वह मोक्ष के योग्य नहीं हैं। भगवान श्री कृष्ण के प्रति गोपियों के हृदय में प्रेम का भी वर्णन किया।

राज्य में चल रहे सड़क प्रोजेक्ट्स की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

सड़क निर्माण कार्यों में रुकावटों को तत्काल दूर करें अधिकारी

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को राज्य की प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य के सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि वे सड़क निर्माण कार्यों में आ रही रुकावटों को प्राथमिकता से दूर करें। उन्होंने कहा कि छोटे कारणों से प्रोजेक्ट्स की गति धीमी होती है, जिससे न केवल लागत में वृद्धि होती है, बल्कि राज्य के संसाधनों का भी नुकसान होता है। अगर उपायुक्त जिला स्तर पर ही इन समस्याओं को हल करें, तो अधिकांश मुद्दों का समाधान जल्दी हो सकता है। मुख्य सचिव राज्य में चल रहे नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, रेलवे ओवरब्रिज और राज्य सड़क निर्माण विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रही थीं। यह योजनाएं भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, फॉरेस्ट क्लियरेंस और विधि व्यवस्था जैसे कारणों से बाधित हो रही हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि इन बाधाओं को जल्द हल किया जाए जिससे कि प्रोजेक्ट्स में देरी से राज्य को केंद्र से नई योजनाओं की स्वीकृति में समस्या न हो। राज्य में एनएचएआइ की कुल 38,483 करोड़ रुपये की योजनाएं चल रही हैं। इनमें कई रेल ओवरब्रिज और सड़क चौड़ीकरण की परियोजनाएं शामिल हैं। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि इन प्रोजेक्ट्स में देरी के कारण राज्य को नए सड़क निर्माण के लिए केंद्र से स्वीकृति मिलने में कठिनाई हो रही है। भूमि अधिग्रहण और मुआवजे के मुद्दे प्रमुख कारण हैं। जिनकी वजह से कई योजनाओं की प्रगति प्रभावित हो रही है। मुख्य सचिव ने सभी उपायुक्तों से कहा कि वे संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए निर्धारित समयसीमा का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाधान के लिए तय समय में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। रुकावटों को दूर करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। समीक्षा बैठक में पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव चंद्रशेखर, एनएचएआइ, वन विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सभी संबंधित जिलों के उपायुक्त वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े थे।

राज्य के डीसी को समय पर काम पूरा करने का दिया गया निर्देश

अधिकारियों के साथ बैठक करतीं मुख्य सचिव अलका तिवारी। ● फोटोन न्यूज

● विलंब से लागत में हो रही वृद्धि, संसाधनों का भी हो रहा नुकसान

अन्य विभागों से बढ़ाएं समन्वय

मुख्य सचिव ने कहा कि उपायुक्तों को सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर इन योजनाओं को समय से पूरा करना सुनिश्चित करना होगा। विधि व्यवस्था, फॉरेस्ट क्लियरेंस और मुआवजा भुगतान के कारण कोई भी काम नहीं रुकना चाहिए। उन्होंने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की सतत निगरानी करें। काम में बेवजह बाधाएं उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें।

निगम की टीम ने अवैध होर्डिंग्स को किया ध्वस्त

अवैध विज्ञापन पट्टों व होर्डिंग्स की जांच करती टीम। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को रांची नगर निगम ने अवैध होर्डिंग्स और विज्ञापन पट्टों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान बिना बिना एनओसी के लगाए विज्ञापन पट्टों और होर्डिंग्स को हटाया जा रहा है। बाजार शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कचहरी चौक, जेल चौक से हरिओम टावर तक जांच अभियान चलाया। इस दौरान जेल चौक पर दो अवैध होर्डिंग संरचनाएं पाई गई, जिन्हें निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही 25 विज्ञापन पट्टों और होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें दो दिनों के भीतर लाइसेंस रिन्युअल कराने का निर्देश दिया गया। मौके पर सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक, बाजार शाखा और इनफोर्समेंट शाखा की टीम मौजूद थी। न्यूक्लियस मॉल और हरिओम टावर में सेल्फ एडवर्टाइजिंग के तहत लगाए गए बिना एनओसी के विज्ञापन पट्टों को भी दो दिनों के भीतर एनओसी प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कहा गया कि भविष्य में अगर किसी भी विज्ञापन पट्ट या होर्डिंग्स को अवैध पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान निरंतर चलाया जाएगा। निगम क्षेत्र के तहत सभी अवैध विज्ञापन पट्टों और होर्डिंग्स को हटवाने की कार्रवाई की जाएगी।

● जांच के दौरान 25 का लाइसेंस पाया गया फेल
● अवैध विज्ञापन पट्टों व होर्डिंग्स हटवाने की जारी रहेगी कार्रवाई

बढ़ा शीतलहर का सितम कोहरे को ले येलो अलर्ट

● दो दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरेगा पारा
● अगले 6 दिनों तक सुबह में धुंध से होती रहेगी परेशानी

PHOTON NEWS RANCHI : उत्तर-पश्चिमी दिशा से आ रही ठंडी हवाओं के प्रभाव से झारखंड में सर्दी का सितम बढ़ गया है। शीतलहर को देखते हुए सरकार ने स्कूलों को 13 जनवरी तक बंद कर दिया है। अब ठंडी हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मंगलवार को सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया। अगले 6 दिनों तक सुबह में कोहरा छाया रहेगा। अगले 2 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट हो सकती है। इसके बाद अगले 3 दिनों में इसमे 2-3 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना जताई गई है। 12 जनवरी को सुबह में कोहरा होगा। इसके बाद आंशिक बादल छा सकते हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति 13 जनवरी को भी रहेगी। कोहरे को लेकर मौसम विभाग ने कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम केंद्र ने 8 जनवरी की सुबह में राज्य के उत्तरी और दक्षिणी-पूर्वी जिलों में घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। गढ़वा, पलामू, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, जामताड़ा, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां में घना कोहरा देखा जाएगा।

बाबूलाल मरांडी सहित 40 आरोपियों के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित 40 आरोपितों के खिलाफ लालपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी में पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार रखी है। रांची में 23 अगस्त, 2024 को भारतीय जनता युवा मोर्चा की मोरहाबादी मैदान में रैली के दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिसकर्मियों के साथ झड़प मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद बीडी राम, संजय सेठ, राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश, पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा समेत 40 आरोपितों की ओर से लालपुर थाना में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने को लेकर दाखिल याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से प्रतिशपथ पत्र दाखिल करने के लिए समय की मांग की गई। कोर्ट ने प्रार्थियों को सरकार के प्रतिशपथ पत्र का प्रतिउत्तर दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया।

आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतिनिधित्व करती है खादी : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को कहा कि खादी महोत्सव न केवल हमारी संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण विकास और स्वरोजगार के लिए एक सशक्त मंच भी है। उन्होंने खादी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों का प्रतीक बताते हुए कहा कि खादी आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतिनिधित्व करती है। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक रही है और आज भी हमारे कारीगरों को रोजगार देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और आत्मनिर्भरता को सशक्त बना रही है। राज्यपाल मंगलवार को झारखंड राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खादी को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से खादी को जन आंदोलन बनाने की उनकी पहल से ग्रामीण कारीगरों और श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रसन्नता है कि इस महोत्सव के माध्यम से महिला उद्यमियों के जरिये तैयार हस्तनिर्मित उत्पादों से महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर हो सकती हैं, बल्कि देश की आर्थिक समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं। उन्होंने इस महोत्सव में भाग लेने वाले बुनकरों, हस्तशिल्पियों और कारीगरों को बधाई दी। साथ ही कहा कि इन कारीगरों के श्रम और कौशल ने झारखंड के ग्रामीण उद्यमों की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया है। राज्यपाल ने आम जनमानस से खादी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को अपनाकर हम न केवल हमारे ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बना सकते हैं, बल्कि उनकी आर्थिक समृद्धि की दिशा में भी योगदान कर सकते हैं। साथ ही राज्यपाल ने झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार और सभी स्टॉलधारकों एवं कारीगरों को इस आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को मोमेंटम देते अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

बच्चे को चढ़ाने के लिए नहीं मिल रहा खून स्वास्थ्य मंत्री इरफान से मां ने की फरियाद

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को कांग्रेस भवन में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जनता दरबार का आयोजन किया। इसमें टाटीसिल्वे से आईं नमिता ने स्वास्थ्य मंत्री को बताया कि उनके साढ़े छह साल के बेटे को हर महीने खून चढ़ाना पड़ता है। पहले खून आसानी से मिल जा रहा था। लेकिन, अब सदर में खून के बदले खून मांगा जा रहा है। कई बार तो खून मिलने में भी परेशानी हो रही है। ऐसे में बच्चे को समय से खून नहीं चढ़ पा रहा है। इसलिए ऐसी व्यवस्था करें कि बच्चे को चढ़ाने के लिए खून आसानी से उपलब्ध हो सके। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वासन दिया कि व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा, ताकि खून मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी। जनता दरबार के दौरान 40 लोगों ने अपनी समस्याएं उनके सामने रखी। इनमें स्वास्थ्य, भूमि विवाद, स्थानांतरण, नौकरी और अन्य विभिन्न मुद्दे शामिल थे। लोगों की समस्याएं सुनने के बाद मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामले के समाधान का आदेश दिया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि इन समस्याओं का समाधान जल्द ही किया जाएगा।

जनता दरबार में फरियाद सुनते स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी। ● फोटोन न्यूज

जनता दरबार के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य लोगों की जीवनशैली को सरल बनाना है। इसके लिए जनता दरबार की पहल की गई है, ताकि जनता के मुद्दों का तत्काल समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि यदि महागठबंधन सरकार का यह प्रयास सही दिशा में काम करता है, तो झारखंड तेजी से प्रगति करेगा। वहीं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर सरकार जनता की समस्याओं का समाधान करना चाहती है। स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए स्वास्थ्य विभाग कई कदम उठा रहा है।

रातू लूटकांड के दो आरोपियों के पोस्टर जारी 20 हजार इनाम घोषित

RANCHI : शहर के रातू थाना क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप के कर्मचारियों से दिनदहाड़े 14 लाख रुपये लूट के मामले में पुलिस ने मंगलवार को दो आरोपितों के पोस्टर जारी किए हैं। सूचना देने वाले को 20 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पोस्टर में बताया गया है कि रांची के रातू थाना क्षेत्र में 26 दिसंबर, 2024 को स्टेट बैंक काठीटांड पास एक व्यवसायी से पैसे की छिनैती की गई थी, जिसमें सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान हुई है। इन दोनों अपराधियों के बारे में कोई भी जानकारी यदि किसी के पास हो तो वह नि:संकोच पुलिस को इसकी सूचना जरूर दे। सूचना देने वाले का नाम एवं पहचान पूरी तरह से गुप्त रखा जाएगा। पुलिस ने सूचना देने के लिए मोबाइल नंबर 9431706136, 9431706138, 9431706142 और 9431706175 जारी किया है। उल्लेखनीय है कि 26 दिसंबर की दोपहर रातू स्थित पेट्रोल पंप के एक कर्मचारी 14 लाख रुपये लेकर बैंक में जमा करवाने के लिए निकले थे। बैंक से कुछ दूर पहले ही बाइक सवार दो अपराधियों ने कर्मचारी को रोका और पैसे भरा बैग छीनकर फरार हो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद भी हो गई थी। अपराधियों की तस्वीर भी स्पष्ट रूप से पहचान की जा रही थी लेकिन इसके बावजूद रातू पुलिस कांड का खुलासा नहीं कर पाई है। इसके बाद वरीय अधिकारियों ने घटना में शामिल अपराधियो के पोस्टर जारी किए हैं।

झारखंड के 17 डीएसपी बनेंगे आईपीएस अफसर

● यूपीएससी को फाइल भेजने की हो रही तैयारी
● फाइल में खामियां पाए जाने पर गृह सचिव व डीजीपी के साथ बैठक करेगा यूपीएससी

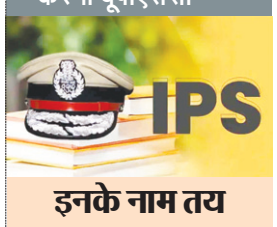

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में पुलिसकर्मियों को प्रमोशन देने का सिलसिला जारी है। पिछले साल 31 दिसंबर की रात झारखंड कैडर के 9 आईपीएस को डीआईजी के पद पर प्रोन्नति दी गई थी। 2 जनवरी को 3 आईपीएस अफसरों को केंद्र में आईजी पद के लिए पैनल किया गया था। अब राज्य सरकार झारखंड पुलिस सेवा के पुलिसकर्मियों को सौगात देने की तैयारी में है। झारखंड के 17 डीएसपी को आईपीएस में प्रोमोट करने की तैयारी चल रही है। इससे संबंधित फाइल भी रेडी हो गई है। सभी डीएसपी के नाम यूपीएससी को भेजे जा सकते हैं। बता दें कि झारखंड कैडर में राज्य पुलिस के सेवा के अफसरों को आईपीएस में प्रमोशन देने के लिए मात्र 9 पद रिक्त हैं। झारखंड पुलिस सेवा के जिन 17 डीएसपी को आईपीएस बनाने की तैयारी है, सभी के फाइल यूपीएससी को भेजनी होगी। इसके बाद यूपीएससी सभी दस्तावेजों की समीक्षा करेगी। इसमें जो कुछ भी त्रुटियां या कमियां पाई जाएंगी, उसे दूर किया जाएगा। इसके लिए यूपीएससी की प्रोन्नति बोर्ड गृह सचिव और डीजीपी के साथ बैठक करेगी। इस बैठक में सारी खामियां को दूर कर लिया जाएगा। इसके बाद अफसरों को प्रोमोट किया जाएगा। बता दें कि 31 दिसंबर 2024 को सरकार ने झारखंड कैडर के 9 आईपीएस अधिकारियों को न्यू ईयर का तोहफा दिया था। 9 आईपीएस अफसरों को अलग-अलग रैंक में सरकार ने प्रोमोट किया था।

इनके नाम तय

अनूप कुमार बड़ाइक
समीर कुमार तिर्की
शिवेंद्र
राधा प्रेम किशोर
अविनाश कुमार
सुरजीत कुमार
रौशन गुड़िया
मजरूल होदा
मुकेश कुमार महतो
दीपक कुमार-1
खीस्टोफर केरकेट्टा
राजेश कुमार
प्रभात रंजन बरवार
वीरेंद्र कुमार चौधरी
राहुल देव बड़ाईक
श्रीराम समद
निशा मुर्मू

इन्हें केंद्र में आईजी रैंक में किया गया पैनल

झारखंड कैडर के जिन आईपीएस को केंद्र में आईजी रैंक में पैनल किया गया है, उनमें ए विजय लक्ष्मी, आईजी ट्रेनिंग, अनूप टी मैथ्यू और बोकारो के जोनल आईजी माइकल राज एस शामिल हैं। अभी अनूप टी मैथ्यू केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं।

सुविधा : बार कोड के माध्यम से किया जाएगा सैंपल कलेक्शन

एलआईएमएस से मिलेगी मरीजों को टेस्ट रिपोर्ट

VIVEK SHARMA@RANCHI

सदर हॉस्पिटल में अब मरीजों के लिए सुपरस्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। इससे उनकी सुविधा और इलाज की प्रक्रिया को और बेहतर बनाया जा सके। अब हॉस्पिटल में लेबोरेटरी इंफार्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (एलआईएमएस) शुरू किया जा रहा है। इससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों को रिपोर्ट के लिए दौड़-भाग नहीं करनी पड़ेगी। इस नई व्यवस्था से मरीजों को एक क्लिक पर अपनी रिपोर्ट मोबाइल पर प्राप्त होगी, जिसे वे कहीं से भी प्रिंट करा सकेंगे। साथ ही डॉक्टरों को भी इलाज से पहले रिपोर्ट के लिए इंतजार नहीं करना होगा क्योंकि सभी रिपोर्ट्स ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। नया सिस्टम मरीजों के सैंपल कलेक्शन को भी आसान बनाएगा। अब सैंपल कलेक्शन एक सेंट्रल कलेक्शन सेंटर पर होगा और प्रत्येक सैंपल के साथ बार कोड जुड़ा होगा। इससे संबंधित विभागों में मरीजों के सैंपल बिना किसी समस्या के भेजे जा सकेंगे। टेस्ट के बाद मरीजों की रिपोर्ट ऑनलाइन अपलोड कर दी जाएगी और उन्हें उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक संदेश भेजा जाएगा। इस संदेश में ओटीपी होगा जिसकी मदद से वे अपनी रिपोर्ट डाउनलोड कर सकेंगे। इससे मरीजों को हॉस्पिटल के विभिन्न विभागों में रिपोर्ट लेने के लिए बार-बार दौड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे सीधे अपनी रिपोर्ट संबंधित डॉक्टरों को दिखा सकेंगे।

इलाज के लिए आने वाले मरीजों को रिपोर्ट के लिए नहीं लगानी होगी दौड़

डॉक्टरों को भी इलाज से पहले रिपोर्ट के लिए नहीं करना होगा इंतजार

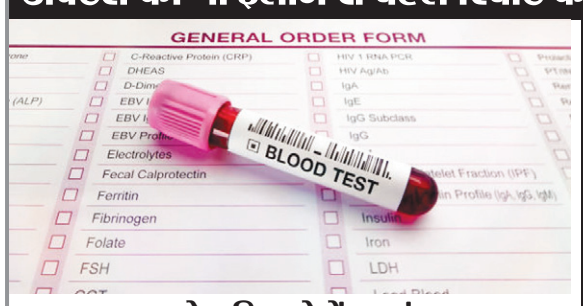

एक क्लिक पर मोबाइल पर उपलब्ध होगी टेस्ट की रिपोर्ट

520 से अधिक बेडों का इंतजाम

सदर हॉस्पिटल में 520 बेड की व्यवस्था है। जिसे धीरे-धीरे बढ़ाया जा रहा है। इसमें बच्चों के लिए आईसीयू, एचडीयू के अलावा ओंकोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, मैटरनिटी वार्ड भी चल रहे है। जहां पर काफी संख्या में मरीज एडमिट है। इस व्यवस्था से इनडोर के मरीजों को भी राहत मिलेगी। उनका सैंपल कलेक्शन के बाद मरीजों को रिपोर्ट आनलाइन मिल सकेगी। इससे परिजनों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। इस सुविधा का एक और फायदा मरीजों को मिलेगा कि उन्हें अपनी रिपोर्ट की फाइल लेकर चलने की झंझट खत्म हो जाएगी।

ओपीडी में हर दिन आ रहे 1500 मरीज

सदर हॉस्पिटल में लगातार नई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। नई सुविधाओं के आने के बाद मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। अभी हॉस्पिटल के ओपीडी में हर दिन लगभग 1,500 मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। वहीं इनडोर में भी 300 के करीब मरीजों का हर समय इलाज चल रहा है। यह बताने के लिए काफी है कि अब लोग प्राइवेट हॉस्पिटल्स की बजाय सदर हॉस्पिटल का रुख कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह भी है कि अब प्राइवेट हॉस्पिटल्स के स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी मरीजों को सदर हॉस्पिटल में कंसल्टेशन देने के लिए आ रहे हैं। इससे मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा मिल रही है, साथ ही उनकी जेब पर भी असर नहीं पड़ता।

सुविचार

विद्वानों के लिए कोई देश विदेश नहीं होता। प्रिय वचन बोलने वालों के लिए कोई व्यक्ति पराया नहीं होता।

–चाणक्य

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 08 January 2025 ● Year : 02 ● Issue : 346 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Sara Ali Khan Begins Saal...

SHARE

सेंसेक्स	:	78,199.11
निफ्टी	:	23,707.90

SARAFA

सोना	:	7,395
चांदी	:	100.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सदर सीओ सस्पेंड, बड़गाईं अंचल अधिकारी को प्रभार

RANCHI : रिश्वत लेने के आरोप में सदर सर्किल ऑफिसर यानी अंचल अधिकारी (सीओ) मुंशी राम को सस्पेंड कर दिया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 2 जनवरी को मुंशी राम को 37 हजार घूस लेते अरेस्ट किया था। उनके घर से छापेमारी के दौरान भी एसीबी की टीम ने 11.42 लाख रुपये नकद बरामद किया था। दूसरी ओर बड़गाईं सीओ शिवशंकर पांडेय को सदर सीओ का प्रभार दिया गया है। सदर अंचल में कोई काम न रुके, इसके लिए रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने शिवशंकर पांडेय को सदर सीओ का प्रभार दिया है। साथ ही सीओ ऑफिस आने वाले किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी न हो, इसे ध्यान में रखने का निर्देश दिया है। डीसी ने कहा है कि दाखिल खारिज, सर्टिफिकेट व अन्य ऑनलाइन कार्य में लोगों को किसी दिक्कत का सामना न करना पड़ेगा।

भारत में कोरोना वायरस जैसे एचएमवीपी के 8 केस

NEW DELHI : अब कोरोना जैसे वायरस एचएमवीपी के देश में 8 केस हो चुके हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 2 केस सामने आए। यहां एक 13 साल की लड़की और एक 7 साल के लड़के संक्रमण मिला है। दोनों ही बच्चों को लगातार सर्दी-बुखार था। इसके बाद प्राइवेट लैब की जांच में दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नही करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है। इससे एक दिन पहले कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। इनमें अधिकतर बच्चे हैं। केंद्र ने राज्यों को 'इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस' और 'सीवर एक्यूट रेस्पिरेट्री इश्यूज' जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और एचएमवीपी के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है। देश के 4 राज्यों में संक्रमण के मामले मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि यह नया वायरस नहीं है और सरकार हालात पर नजर रखे हुए है।

देश के 16 राज्यों में छाया रहा घना कोहरा

NEW DELHI : जम्मू-कश्मीर में गुलमर्ग के अलावा कई जिलों में बर्फबारी हुई। इससे मुगल रोड, श्रीनगर-लेह रोड, सेमथान-किश्तवाड़ रोड और गुरेज हाईवे बंद कर दिया गया। मौसम विभाग के मुताबिक यहां 2 से 3 दिन तक बर्फबारी की संभावना रहेगी। उधर, हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के साथ-साथ बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में बर्फबारी के कारण उत्तर भारत के बाकी राज्यों में तेज सर्दी का असर देखने को मिल रहा है। देश के 16 राज्यों में सुबह घना कोहरा देखने को मिला। मौसम विभाग के कहा कि पंजाब, जम्मू, उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ जिलों में विजिबिलिटी घटकर जीरो हो गई। इससे कई फ्लाइट्स लेट हुईं। अकेले यूपी में ही 25 फ्लाइट और कई ट्रेनें लेट हुईं।

तिब्बत में भूकंप के झटकों ने झकझोरा, 126 लोगों की मौत

रिक्टर स्केल पर 7.1 रही भूकंप की तीव्रता, चीन, भारत, नेपाल और बांग्लादेश भी हुए प्रभावित

सिक्किम, दिल्ली एनसीआर, यूपी, बिहार, प. बंगाल व झारखंड में भी महसूस किए गए झटके

NEW DELHI @ PTI

मंगलवार को तिब्बत के सबसे पवित्र शहरों में से एक के निकट 6.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें कम से कम 125 लोगों की मौत हो गई और 188 अन्य घायल हो गए। चीन, नेपाल, भारत और बांग्लादेश में भी इसका असर दिखा। नेपाल में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसके कारण इमारतें हिलने लगीं और लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। क्षेत्रीय आपदा राहत मुख्यालय के अनुसार, मंगलवार को सुबह नौ बजकर पांच मिनट (चीन के समयानुसार) पर तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के शिगाजे शहर की डिंगरी काउंटी में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 7.1 बताई है। भूकंप का केंद्र डिंगरी काउंटी के त्सोगो कस्बे में स्थित था, जहां 20 किलोमीटर की परिधि में लगभग 6,900 लोगों की आबादी रहती है। इस क्षेत्र में 27 गांव हैं।

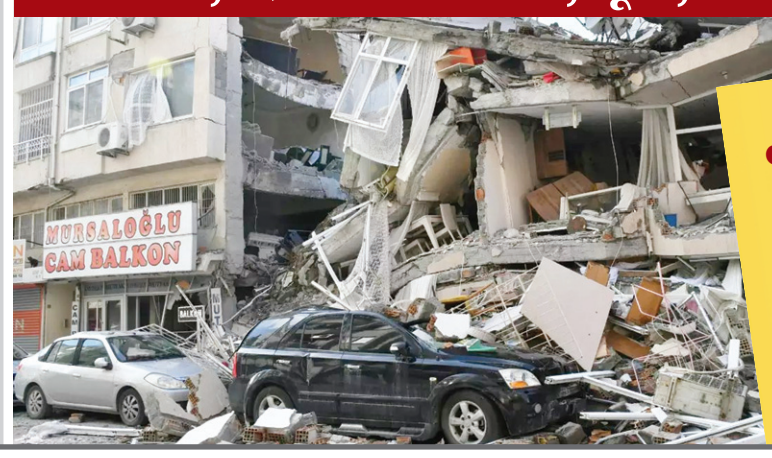

- अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए लोग
- तुरंत शुरू किया गया राहत और बचाव कार्य
- भूकंप का केंद्र उत्तर-पूर्व नेपाल के खुंबू हिमालय पर्वतमाला में रहा

10 किलोमीटर रही नेपाल में भूकंप की गहराई

नेपाल में भूकंप के केंद्र की गहराई लगभग 10 किलोमीटर बताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधियां अक्सर होती रहती हैं, लेकिन इस बार की तीव्रता अधिक थी। भारतीय और नेपाली अधिकारियों ने इलाके की निगरानी तेज कर दी है और आपातकालीन सेवाओं को सतर्क कर दिया गया है। तिब्बती पठार को शक्तिशाली भूकंप संभावित क्षेत्र माना जाता है, क्योंकि यह उस स्थान पर स्थित है जहां टेक्टोनिक यूरेशियन और भारतीय प्लेटें मिलती हैं और अक्सर अत्यधिक बल के साथ टकराती हैं। नेपाल में 2015 में आए 8.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में शिगास्ते को भी काफी नुकसान पहुंचा था।

लोगों में डर का माहौल

बिहार के मोतिहारी और पूर्वी चंपारण जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जहां नेपाल से नजदीकी होने के कारण लोगों में डर का माहौल रहा। भूकंप का झटका बहुत तेज नहीं था, लेकिन लोगों ने सतर्कता बरतते हुए बाहर निकलने का निर्णय लिया। भूकंप के झटके भारत के दिल्ली-एनसीआर, सिक्किम, बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड समेत कई राज्यों में भी महसूस किए गए। भूकंप के दौरान लोग अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए।

सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की मीटिंग

झारखंड में अब चयन समिति करेगी डीजीपी की बहाली

PHOTON NEWS RANCHI :

मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) झारखंड के चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 के गठन की स्वीकृति दी गई। इसके अनुसार अब राज्य में इन दोनों पदों पर चयन समिति के माध्यम से नियुक्ति होगी। इसके अलावा कैबिनेट ने अन्य आठ प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। कैबिनेट की मीटिंग में झारखंड अवर शिक्षा सेवा के पूर्व में सृजित पदों के आलोक में वर्त्तमान आवश्यकतानुसार पदों का चिह्नीतीकरण की स्वीकृति दी गई। अवर शिक्षा सेवा के लिए 465 पद सृजित हैं। इसके अलावा षष्ठम झारखंड विधान सभा का द्वितीय बजट सत्र 24 फरवरी से 27 मार्च 2025 तक आहूत करने की स्वीकृति दी गई।

24 फरवरी से 27 मार्च के बीच होगा विधानसभा का बजट सत्र

08 अन्य प्रस्तावों को भी कैबिनेट ने दी मंजूरी

ये प्रस्ताव भी हुए पास

- झारखंड राज्य में गुणवत्तापूर्ण एवं सुगम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देवघर जिले में नया एम्स स्थापित करने के लिए झारखंड सरकार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के साथ किए जाने वाले एमओयू पर स्वीकृति दी गई।
- सदन प्रसाद, तत्कालीन प्रशाखा पदाधिकारी उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड संप्रति सेवानिवृत्त को आर्थिक लाभ सहित बैक डेट से अवर सचिव कोटि के पद पर प्रोन्नति प्रदान करने की मंजूरी दी गई।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की संशोधित धारा-14 के प्रावधानों के अन्तर्गत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-1, नगर उंटारी, गढ़वा के न्यायालय को विशेष न्यायालय पदमिहित करने की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड परिचारिका गैर-शैक्षणिक संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं अन्य सेवाशर्त्त) नियमावली 2025 के गठन पर स्वीकृति दी गई।
- प्री बजट कार्यशाला के

पुलिस महानिदेशक की नई नियुक्ति नियमावली को मिली हरी झंडी

आयोजन वित्त नियमावली के नियम-235 को शिथिल करते हुए नियम-245 के तहत डॉ. सीमा अखौरी असिस्टेंट प्रोफेसर संत जेवियर कॉलेज रांची और उनकी टीम को मनोनयन के आधार पर नालेज पार्टनर के रूप में चयनित करने की स्वीकृति दी गई।

- झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों में प्रबंध निदेशक एवं निदेशक के पदों पर नियुक्ति हेतु किये गये प्रावधानों में आंशिक संशोधन करने के प्रस्ताव पर घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।

दिल्ली में बजा चुनावी बिगुल, एक फेज में 5 फरवरी को होगी वोटिंग

AGENCY NEW DELHI :

मंगलवार को देश की राजधानी दिल्ली में चुनावी बिगुल बज गया। यहां की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा। मतों की गिनती तीन दिन बाद आठ फरवरी को की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को यहां चुनाव की तारीखों का एलान किया। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है। बता दें कि दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं, जिसमें से 58 सामान्य श्रेणी की जबकि 12 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 जनवरी है और नामांकन पत्रों की जांच 18 जनवरी तक की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार 20 जनवरी तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। राजीव कुमार ने कहा, यह एक चरण का चुनाव है। हमने जानबूझकर बुधवार को मतदान रखा है, ताकि अधिक लोग मतदान करने के लिए बाहर आएं जैसा कि हमने महाराष्ट्र में किया।

- निर्वाचन आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर की चुनाव की घोषणा
- तीन दिन बाद 8 फरवरी को होगी मतों की गिनती
- 70 सीटों पर होगा मतदान, 58 सामान्य श्रेणी की, 12 एससी के लिए आरक्षित
- नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 जनवरी
- 23 फरवरी को समाप्त हो रहा दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल
- यूपी में मिल्कीपुर और तमिलनाडु में इरोड सीट पर इसी दिन होगा उपचुनाव

1.55 करोड़ पंजीकृत मतदाता

कुमार ने कहा कि दिल्ली में कुल 1.55 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। इनमें 83.49 लाख पुरुष तथा 71.74 लाख महिलाएं हैं। उन्होंने बताया कि युवा मतदाताओं (20 से 21 वर्ष के) की संख्या 28.89 लाख है, जबकि पहली बार मतदान के पात्र युवाओं की संख्या 2.08 लाख है। कुमार ने बताया कि राजधानी के 2697 स्थानों पर कुल 13,033 मतदान केंद्र होंगे और इनमें से 210 मॉडल मतदान केंद्र होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों के सिलसिले में विभिन्न कानून अनुपालन एजेंसियों के साथ व्यापक चर्चा की गई है, जिसमें सुरक्षा से जुड़े आयाम भी शामिल हैं। गौरतलब राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। दिल्ली विधानसभा में बहुमत के लिए 36 विधायकों की आवश्यकता है। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में काम की राजनीति और गाली-गलौज की राजनीति के बीच मुकाबला होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'आप' और भाजपा पर मंत्री दीपिका ने साधा निशाना, कहा

कांग्रेस जुमलों की नहीं, वादे निभाने वाली पार्टी

PHOTON NEWS RANCHI :

मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर झारखंड सरकार की कैबिनेट मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस जुमलों की नहीं, महिलाओं को सही मायने में सशक्त करने वाली पार्टी है। जहां भी कांग्रेस या उसके गठबंधन वाली सरकार है, वह महिलाओं को केंद्र में रखकर उनके सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है। इस मामले में उन्होंने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और झारखंड का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर देश को 'लाडली' शब्द से योजना देने वाली पहली मुख्यमंत्री शीला दीक्षित थीं।

शीला दीक्षित के कार्यकाल की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाया

आस्था के साथ खिलवाड़ ठीक नहीं

मंत्री ने कहा कि दिल्ली में बिहार, झारखंड यानी पूर्वांचल के लोग जब छठ पर्व पर यमुना तट पर जाते हैं तो पता चलता है कि हमारी आस्थाओं के साथ केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी किस तरह खिलवाड़ कर रही हैं। मैली यमुना इसकी ताजा मिसाल है। यमुना दिल्ली में पहुंचते ही हजारों गुना अधिक प्रदूषित हो जाती है।

कचरे के अंबार पर दिल्ली

दीपिका ने कहा कि दिल्ली आज कचरे के अंबार और वायु प्रदूषण की गिरफ्त में है। आम आदमी पार्टी में ने 10 साल में यहां विकास के नाम पर जनता को सिर्फ ठगा है। महिलाओं को आर्थिक संबल देने के मामले में आम आदमी पार्टी ने पंजाब और दिल्ली में अब तक क्या किया है, वह सबको मालूम है। महिलाएं उनके वादों पर भरोसा कर अब अपने को ठगी महसूस कर रही हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जिस भी राज्य में चुनाव आते हैं, वहां भाजपा की ओर से बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं का मुद्दा जोरशोर से उठाया जाता है। चुनाव खत्म होने के बाद उनके लिए ये कोई मुद्दा नहीं रह जाता है।

सीआईसी-आईसी नियुक्ति के मामले में अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का 'सुप्रीम' निर्देश

RANCHI : मंगलवार को झारखंड में राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) और सूचना आयुक्त (आईसी) के रिक्त पदों को जल्द भरने के आग्रह से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले में झारखंड के मुख्य सचिव (सीएस) को अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इससे पूर्व सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार के पूरक हलफनामे का अवलोकन किया। कहा कि जून 2024 को एक विज्ञापन दिया गया था। चयन प्रक्रिया इस कारण शुरू नहीं हुई है कि झारखंड विधानसभा चुनाव के बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता की घोषणा नहीं की गई। चूंकि विपक्ष का नेता चयन समिति का सदस्य है, इसलिए बैठक नहीं बुलाई जा सकी है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि झारखंड विधानसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी अपने किसी निर्वाचित सदस्य को मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए विपक्ष का नेता नामित करे, यह आवश्यक कार्य 2 सप्ताह में किया जाना चाहिए।

- रिक्त पदों को जल्द भरने के आग्रह से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

झारखंड हाईकोर्ट में हुई मामले की सुनवाई

होमगार्ड के जवानों से जुड़ी अवमानना याचिका ड्रॉप

PHOTON NEWS RANCHI :

मंगलवार को झारखंड हाइकोर्ट में होमगार्ड जवानों को समान काम के बदले समान वेतन देने के मामले में दायर अवमानना रिट पर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट में डीजीपी अनुराग गुप्ता और डीजी होमगार्ड अनिल पालटा मौजूद रहे। कोर्ट ने अवमानना याचिका को ड्रॉप करते हुए कहा कि चूंकि इस मामले में राज्य सरकार अपील (एलपीए) में गई है, इसलिए होमगार्ड के जवानों का एरियर सरकार की अपील के निर्णय पर निर्भर करेगा। कोर्ट ने कहा कि होमगार्ड को वर्तमान में मिल रहे बढ़ी हुई सैलरी जारी रहगी। इससे पूर्व महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि हाई कोर्ट के 25 अगस्त 2017 के प्रभाव से होमगार्ड जवानों को बढ़े वेतन का लाभ देने के हाईकोर्ट के

- डीजीपी और डीजी होमगार्ड कोर्ट में रहे मौजूद
- वर्तमान में जवानों को मिलती रहेगी बढ़ा हुआ वेतन

प्राकृतिक प्रकोप — जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता जा रहा प्रतिकूलता का आलम

पिछले साल बाढ़ और सूखे की तबाही से दहल गई दुनिया

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

मौसम और भूगोल विशेषज्ञ यह बताते हैं कि प्रकृति का प्रकोप यूं ही नहीं आता है। इसके पीछे मानव गतिविधियों का असर होता है। मौसम का चक्र यदि प्रतिकूल होता है, तो जलवायु में परिवर्तन अवश्यंभावी है और यह प्रतिकूलता कहीं लगातार बाढ़ में तो कहीं अति सूखे में दृष्टिगोचर होती है। अत्यंत बाढ़ की स्थिति हो या अत्यंत सूखे की, मानव जीवन के लिए यह बड़ी त्रासदी साबित होती है। हाल के अध्ययन में इस सच्चाई का खुलासा विस्तार से हुआ है। नए अध्ययन में यह बताया गया है कि पिछले वर्ष चरम मौसम ने दुनिया में गंभीर समस्याएं पैदा की। इसमें बाढ़ और सूखे ने भारी तबाही मचाई। विस्तार से बताया गया है कि किस प्रकार जलवायु परिवर्तन जल प्रणालियों पर असर डाल रहा है। इससे कहीं भारी बारिश हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। यही वजह रही कि भारत, पश्चिम अफ्रीका और यूरोप में कहीं-कहीं रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) और अन्य वैश्विक वैज्ञानिकों की टीम किया स्पेशल स्टडी में यह खुलासा हुआ है।

एएनयू और अन्य वैश्विक वैज्ञानिकों की टीम की स्पेशल स्टडी में हुआ खुलासा

क्लाइमेट चेंज की वजह से पानी में रहने वाले जीवों पर पड़ रहा अत्यधिक प्रभाव

- जीवाश्म ईंधन के अधिक प्रयोग से तीव्र और शक्तिशाली बन रहे चक्रवाती तूफान
- मौसम की चरम स्थिति ने दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में पैदा की गंभीर समस्याएं
- 111 देशों में लगभग 4 अरब लोगों ने किया सबसे गर्म वर्ष का अनुभव
- भारत, पश्चिम अफ्रीका और यूरोप में कहीं-कहीं हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश

केरल के वायनाड में 375 लोगों की हुई थी मौत 1200 करोड़ का पहुंचा नुकसान

550 अरब डॉलर का हुआ लॉस

बाढ़, सूखा, चक्रवात और भूस्खलन जैसी आपदाओं की वजह से 2024 में 8700 से अधिक लोगों की मौत हुई। 4 करोड़ लोग विस्थापित हुए और 550 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन से 375 लोगों की मौत हुई, 10,000 लोग विस्थापित हुए और 12 अरब रुपये (140 मिलियन यूएसडी) का नुकसान हुआ।

व्यापक तैयारी की सख्त जरूरत

वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया कि जीवाश्म ईंधन जलाने से हो रहा जलवायु परिवर्तन मानसून, चक्रवात और तूफानों को ज्यादा शक्तिशाली और बारिश को अधिक तीव्र बना रहा है। प्रमुख शोधकर्ता अल्बर्ट वैन डिज्क के अनुसार, 2024 का चरम मौसम कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि यह बाढ़, लंबे सूखे और रिकॉर्ड तोड़ मौसम की बढ़ती प्रवृत्ति का हिस्सा है। 111 देशों में लगभग 4 अरब लोगों ने अपने अब तक के सबसे गर्म वर्ष का अनुभव किया। वैज्ञानिकों ने इस तरह के चरम मौसम की घटनाओं के लिए तैयारी करने की जरूरत पर बल दिया है। इसमें मजबूत बाढ़ सुरक्षा, सूखा प्रतिरोधी कृषि, जल आपूर्ति सुनिश्चित करना और बेहतर प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करना शामिल है।

समाचार सार

नंदलाल स्कूल में बांग्ला की पढ़ाई शुरू करने की मांग

GHATSILA : झारखंड बंगभाषी उन्नयन समिति, घाटशिला की ओर से मंगलवार को संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बांग्ला विषय को वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाने की मांग की गई। समिति के अध्यक्ष साधुचरण पाल व संयुक्त सचिव तापस चटर्जी ने बताया कि घाटशिला और इसके आसपास के बांग्लाभाषी छात्रों के लिए छोटी कक्षा से ही वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाई शुरू की जाए। विद्यालय की प्राचार्य नीलकमल सिन्हा ने बताया कि क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई स्कूलों में होनी चाहिए, परंतु अभी तक अभिभावकों से इसकी मांग नहीं की गई थी। इस मौके पर साधना पाल, संजय राय, मृणालकांति विश्वास आदि उपस्थित थे।

मंदिर की समस्या से अवगत हुए विधायक प्रतिनिधि

GHATSILA : विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत व झामुमो नेताओं ने चालकडीह स्थित भटाईजोड़ नाला के किनारे निर्मित श्रीश्री रटनती काली माता मंदिर की समस्या से अवगत हुए। मंगलवार को पहुंचे विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत को समस्या से संबंधित जानकारी देते हुए कमेटी के अध्यक्ष शिबू नमता ने कहा मंदिर तक आने के लिए पहुंच पथ एवं नाला पर पुलिया निर्माण अति आवश्यक है। जगदीश भकत ने कहा पुलिया निर्माण के उपरांत पर्यटक स्थल के रूप में क्षेत्र के विकास में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि वे इसकी जानकारी मंत्री रामदास सोरेन से मिलकर देंगे। इस मौके पर सचिव समीर कालिंदी. मोहम्मद जलील. बाबूलाल मुर्मू. सतीश सीट, राजहंस मिश्रा, सब्यसाची चौधरी, शंकर कालिंदी. प्रकाश निषाद. सुरजीत सिंह सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

अग्रवाल सम्मेलन ने ग्रामीणों में बांटी खुशियां

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन द्वारा मंगलवार को घाटशिला से करीब 20 किमी दूर गांव में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल, स्वेटर, ग्लव्स, मूढ़ी का लड्डू आदि वितरित किया। गांव के मुखिया सहित सभी ग्रामवासी काफी खुश हुए। इस कार्यक्रम में अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, महामंत्री राजेश रिंगसिया, घाटशिला से आनंद अग्रवाल व लीलू अग्रवाल, सुभाष शाह, उमेश शाह, विवेक चौधरी, विकास सिंघानिया, मोहित अग्रवाल, आशीष खन्ना, अक्षय अग्रवाल, सिद्धार्थ खंडेलवाल, अंकित अग्रवाल, अजीत शाह, तुषार जिंदल, गौरव जवानपुरिया, मोहित शाह, शिवम चेतानी, अमन नरेडी आदि सहित कई महिलाएं थीं।

एमबीएनएस में हुआ वार्षिक खेल महोत्सव

ASANBONI : एमबीएनएस इंस्टीटय्ट ऑफ एजुकेशन में 4-7 जनवरी तक वार्षिक खेल महोत्सव-2025 का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया, जिसमें शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, क्रिकेट, स्लो बाइक रेस, 100 मीटर रेस, 400 मीटर रिले रेस और टग ऑफ वार शामिल थे। महोत्सव में मुख्य अतिथि विवेक सिंह, चेयरमैन ने छात्रों को संबोधित किया और उन्हें खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। आयोजन को सफल बनाने में प्राचार्या पिंकी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर दीपिका भारती, भबतारण भकत, मिली कुमारी, मधुसूदन महतो, राजेश्वर वर्मा आदि ने योगदान दिया।

अर्का जैन के 24 छात्रों का एक्सेंचर में चयन

JAMSHEDPUR : अर्का जैन विश्वविद्यालय के 24 छात्रों का सॉफ्टवेयर कंपनी एक्सेंचर में प्लेसमेंट हुआ है। प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय कंपनी एक्सेंचर में चयन हुआ है। कंपनी ने इन सभी छात्र-छात्राओं को पैकेज एप डेवलपर एसोसिएट के पद पर 3.44 लाख रुपये वार्षिक पैकेज (सीटीसी) पर लॉक किया है। इस उपलब्धि ने न सिर्फ विश्वविद्यालय, बल्कि पूरे झारखंड को गौरवान्वित किया है।

भाजपा ने साकची में चलाया सदस्यता अभियान

JAMSHEDPUR : भाजपा, ओबीसी मोर्चा ने मंगलवार को साकची स्थित बसंत टॉकीज के समीप सदस्यता अभियान चलाया, जिसमें कई लोगों को पार्टी से जोड़ा गया। मोर्चा के जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सागर राय के नेतृत्व में लगे शिविर में पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष बबुआ सिंह, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हलधर नारायण साह, मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता धर्मेंद्र प्रसाद आदि भी उपस्थित थे।

आईईडी की चपेट में आकर बच्ची की मौत, महिला घायल

सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए थे विस्फोटक

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सलियों के गढ़ सारंडा के जराईकेला थाना क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आकर एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हो गई। मृतक बच्ची की पहचान तिरिलपोसी गांव निवासी सनिका गागराई की 7 वर्षीय बेटी सनियारो गागराई के रूप में हुई है। घटना मंगलवार सुबह 9.30 की बताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि नक्सलियों ने पुलिस जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए इसे पहले से लगाकर रखा था, लेकिन इसकी चपेट में एक ग्रामीण बच्ची आ गई।

इससे उसकी मौत हो गई। एक महिला घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराइकेला थाना अंतर्गत तिरिलपोसी गांव निवासी सनिका गागराई अपनी 7 वर्षीय बच्ची सनियारो गागराई, इस गांव के हरिचरण बोदरा की पुत्री एक साथ सारंडा तिरिलपोसी के राधाबेडा. जंगल में साल पत्ता तोड़ने के लिए गई थी। इसी दौरान बच्ची का पैर प्रेशर आईईडी पर पड़ गया। और आईईडी ब्लास्ट हो गया।आईईडी विस्फोट होने से बच्ची की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि महिला घायल हो गई। बच्ची के दोनों पैर सहित शरीर के कई हिस्से में गंभीर चोट लगी है। इधर घटना का सूचना मिलते ही सीआरपीएफ 134 बटालियन के जवानों ने मृतक बच्ची और घायल महिला को घटनास्थल से ग्रामीणों के सहयोग से निकाल कर इलाज के लिए मनोहरपुर अस्पताल भेज दिया।

विस्फोट से मृत बच्ची

नक्सलियों की कायराना हरकत : एसपी

एसपी आशुतोष शेखर ने कहा कि पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा कोल्हान,सारंडा क्षेत्र में लगातार संचालित नक्सल विरोधी अभियान के कारण सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के लिए नक्सलियों द्वारा आईईडी का प्रयोग किया जा रहा है। आईईडी विस्फोट में ग्रामीणों को लक्षित कर मृत्यु, जख्मी करना नक्सलियों की एक कायराना हरकत है। इस पुरे घटना क्रम में चाईबासा पुलिस एवं सभी सुरक्षा बल इस घटना में इनके मृत्यु पर गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। झारखंड पुलिस आम जनता की सेवा में सदैव तत्पर है और ग्रामीणों की सुरक्षा हेतु सघन नक्सल विरोधी अभियान जारी रहेगा।

मुसाबनी की नाबालिग से दो युवकों ने किया दुष्कर्म

- डुमरिया के जाहेरडीह में हुई घटना, पीड़िता के बयान पर हिरासत में लिए गए आरोपी

GHATSILA : मुसाबनी की एक नाबालिग से डुमरिया थाना क्षेत्र के जाहेरडीह गांव में दो युवकों द्वारा दुष्कर्म करने का मामला मंगलवार को सामने आया है। इस मामले को लेकर नाबालिग के ब्यान पर बांकीशोल पंचायत के कुंडालुका गांव निवासी युवक सालखान टुडू(40 वर्ष) एवं अजय टुडू 21 (वर्ष) के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में डुमरिया थाना प्रभारी सुगना मुंडा ने दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार, मुसाबनी थाना क्षेत्र के विक्रमपुर गांव के फोडीह टोला से एक नाबालिग पिछले दिनों अपनी नानी के घर कांटाशोल पंचायत के हाड़दा गांव गई थी। इसी क्रम में रविवार की रात गांव से कुछ दूरी पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहा था। वह कार्यक्रम देखने नाबालिग भी गई थी। इसी दौरान वहां उससे सालखान टुडू एवं अजय टुडू से मुलाकात हुई। दोनों युवक उस नाबालिग को बहला फुसलाकर वहां से जाहेरडीह गांव के पास ले गए और उसके अनुसार दोनों ने रातभर उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद उसे छोड़कर दोनों युवक फरार हो गए। सुबह जब नाबालिग पर लोगों की नजर पड़ी, तो नाबालिग से ग्रामीणों ने पूछा तो सारी कहानी सुनाई। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस नाबालिग से पूछताछ के बाद सोमवार की देर शाम मुसाबनी से दोनों युवकों को उठाकर थाना लाकर पूछताछ कर रही है। मंगलवार को नाबालिग और आरोपी युवक की ओर से दर्जनों लोग डुमरिया थाना पहुंचे थे। इस संबंध में डुमरिया थाना प्रभारी सुगना मुंडा ने बताया कि नाबालिग के बयान पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। युवको से पूछताछ की जा रही है।

ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए विधायक

ANANDPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत आनंदपुर प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को विधायक जगत माझी ने साप्ताहिक जनता दरबार लगाया, जिसमें उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। विभिन्न पंचायत से आए ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपते हुए निदान की गुहार लगाई। अधिकांश समस्या सिंचाई और सड़क की समस्या से संबंधित थी। हारता गांव के प्रगतिशील किसान जुनुल कंडुलना ने विधायक से सिंचाई के लिए डीप बोरिंग की मांग रखी। भालुडूंगरी की ललित देवी ने कई माह से राशन नहीं मिलने की शिकायत की। बड़ा कुढ़ना के सुनील भेंगरा ने भी गांव में सिंचाई की समुचित व्यवस्था करने की मांग की। वहीं कुछ लोगों ने गांव में सड़क नहीं होने की शिकायत करते हुए विधायक निधि से सड़क निर्माण की मांग की। करीब दो घंटे तक चले जनता दरबार में विधायक ने कुछ समस्याओं को लेकर तत्काल संबंधित अधिकारियों को समाधान का निर्देश दिया। मालूम हो कि गत सप्ताह भी मंगलवार को विधायक ने जनता दरबार आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया था। विधायक जगत माझी ने बताया कि महीने के अंतिम सप्ताह में सभी विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

जनता दरबार में समस्या सुनते विधायक

एसडीओ ने अफीम की खेती को किया नष्ट

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित जंगलों में अभियान चलाकर 4.70 एकड़ में लगी अफीम की फसल को ट्रैक्टर चलाकर नष्ट किया गया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को पोड़ाहाट अनुमंडल में पुलिस बल की मौजूदगी में बंदगांव थाना अंतर्गत ग्राम किता में करीब 2 एकड़ , कराईकेला थाना अंतर्गत ग्राम कंकुआ , इंद्राआ में करीब 20 डिसमिल और टोकलो थाना क्षेत्र ग्राम हेसलकुटी, किमीरदा में पोड़ाहाट एसडीओ श्रुति राजलक्ष्मी के नेतृत्व में 2.5 एकड़ मैं लगी पोस्तो की खेती पर ट्रैक्टर चला दिया गया। इस दौरान चक्रधरपुर के अंचल अधिकारी भी मौजूद थे।

चाईबासा में नर्स ने प्रसूता से लिए 1200 रुपये, मामले ने पकड़ा तूल

मामला उजागर होने पर अन्य महिलाओं ने भी नर्स पर लगाए पैसे लेने के आरोप

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के नाम पर पैसा मांगे जाने की शिकायत सामने आई है। इस बार नर्स ने प्रसूता से ही 1200 रुपये ले लिए। इस संबंध में मंझारी प्रखंड के जिला परिषद सदस्य माधव चंद्र कुंकल ने पीड़िता से मुलाकात की। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। चींटीमिटी निवासी पीड़िता मगदली बिरुली के पति लेबेया बिरुली ने बताया कि उसकी पत्नी का प्रसव 6 जनवरी को सुबह 4.25 बजे हुआ। प्रसव के बाद ड्यूटी पर मौजूद नर्स रेणु कुमारी और कंचन कुमारी ने 6000 रुपये मांगे। पैसा नहीं होने की बात कहने के बावजूद मजबूरी में किसी तरह 1200 रुपये देना पड़ा। इस बात की पुष्टि अन्य मरीजों ने भी की। तेनतेडा निवासी पीड़िता रंदाय सिरका के पति मोटाय सिरका को भी 800 रुपये देने पड़े। छोटा बड़दा निवासी पीड़िता सरिता गोप के पति किशोर गोप को 1000 रुपये देना पड़ा और रायकोला निवासी पीड़िता होनमई दोराईबुरु के पति हरिचरण कुंकल को 1000 रुपये देना पड़ गया। माधव चंद्र कुंकल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कथनी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के करनी में फर्क है। मुख्यमंत्री कहते हैं कि भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाना है, लेकिन स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद नर्स खुलेआम गरीबों को लूटने का काम कर रहे हैं।

स्वास्थ्य केंद्र के बाहर शिकायतकर्ता

सिविल सर्जन से की गई शिकायत

माधव चंद्र कुंकल ने फोन से सिविल सर्जन सुशांतो माझी को मामले से अवगत कराया और तत्काल ऐसे कर्मचारियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तांतनगर से बर्खास्त करने की मांग की। कहा कि इन्हें बर्खास्त नहीं किया गया तो ऐसे कर्मचारी और पदाधिकारियों के विरुद्ध आंदोलन कर व्यवस्था को सुधारने की लड़ाई लड़ी जाएगी।

टाटा मोटर्स के 19 कर्मचारियों को दी विदाई

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने मंगलवार को यूनियन कार्यालय में गत माह रिटायर हुए 19 कर्मचारियों को विदाई दी। अध्यक्ष गुरमीत सिंह व महामंत्री आरके सिंह ने स्मृति चिह्न व शॉल भेंट किया। इस दौरान व्हीकल फैक्ट्री से पेलाराम गोप व सीमा सिंह, चेसिस असेंबली से सोमनाथ भट्टाचार्य, रणबीर बरुआ, सुनील कुमार सिंह, एक्सल से कमलेश कुमार सिंह, शिशिर कुंडू, नवीन चंद्र झा, दिलीप कुमार, नीता विश्वास, मनोज कुमार श्रीवास्तव, फाइनल से शांतनु जेना, मनोज प्रसाद, फ्रेम फैक्ट्री से शिवशंकर सिंह, सीटीआर से सजल कुमार प्रसाद, फाउंड्री से रविशंकर शर्मा, किशोर प्रसाद श्रीवास्तव, कैब एंड कॉल से उमा प्रसाद आदि उपस्थित थे।

एनएमएल में सेल अधिकारियों का चार दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

बर्मामाइंस स्थित एनएमएल परिसर में सेल के प्रशिक्षु अधिकारी • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर-एनएमएल में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के लिए कॉरपोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके उद्घाटन समारोह में सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी, डॉ. देवब्रत मिश्रा, मानव संसाधन समूह के प्रमुख व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस. शिवाप्रसाद शामिल थे। इस दौरान डॉ. संदीप घोष चौधरी ने एनएमएल की विरासत और इतिहास तथा देश के इस्पात उद्योगों और खनिज क्षेत्र में इसकी मौजूदगी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में तेजी से बढ़ती धातु उत्पादन क्षमताओं के मद्देनजर खनिज प्रसंस्करण महत्वपूर्ण है। घरेलू इस्पात उत्पादन को वर्तमान 140 मिलियन टन से बढ़ाकर 2030 तक 300 मिलियन टन करना है। उन्होंने खनिज प्रसंस्करण प्रभाग की अनूठी अत्याधुनिक बेंच और पायलट स्केल सुविधाओं तथा इसके विविध ज्ञान आधार के बारे में भी बताया।

रेलवे मेंस कांग्रेस का कार्यालय होगा सील

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने सभी डिवीजन को पत्र लिखकर कहा है कि रेलवे यूनियन की मान्यता के लिए हुए चुनाव के बाद वैसे यूनियन, जिन्हें मान्यता नहीं मिली है, इनकी सुविधाओं को तत्काल प्रभाव से खत्म किया जाए। ऐसे में रेलवे मेंस कांग्रेस का कार्यालय भी सील किया जाएगा। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में केवल रेलवे मेंस यूनियन को ही मान्यता मिली है, बाकी अन्य यूनियनों जैसे रेलवे मेंस कांग्रेस व अन्य यूनियनों को मान्यता नहीं मिल सकी है। ऐसे में इन सभी यूनियनों को मिलने वाली सभी सुविधाओं को खत्म करने को कहा गया है। रेलवे की ओर से यूनियनों को कार्यालय खोलने के लिए डिवीजनल और ब्रांच स्तर पर मिली क्वार्टर सुविधा, यूनियन पदाधिकारियों को मिले कार्ड पास की सुविधा खत्म करने, सीयूजे सिम की सुविधा खत्म की जाएगी।

संताली भाषा सम्मान दिवस पर पुरस्कृत किए गए 10 छात्र

कार्यक्रम में शामिल अतिथि व आयोजक • फोटोन न्यूज

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज में संताली विभाग द्वारा मंगलवार को संताली भाषा सम्मान दिवस मनाया गया। इसमें कॉलेज के 10 प्रतिभाशाली छात्रों को आदिनीति डेवलपमेंट फाऊंडेशन द्वारा 10-10 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। फेडरेशन की डायरेक्टर नितिशा बेसरा ने यह सम्मान की राशि संथाली भाषा सम्मान दिवस सह अपने पिता पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा के 69वें जन्मदिन पर प्रदान किया। नितिशा बेसरा ने कहा कि अगले 10 वर्षों तक प्रतिवर्ष इस कॉलेज के 10 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को यह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी को प्रस्ताव दिया कि वे कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार कराएं, इसमें फाउंडेशन पूरा सहयोग करेगा। सम्मानित छात्रों में प्रदीप टुडू, बाहर बहादुर शरण, रामदास शारदा, सुरूवाली टुडू, सन्नी बास्के, ज्योति रानी टुडू, शोभा सोरेन, सोमवारी सोरेन व प्राची मांडी शामिल थीं। इस मौके पर पद्मश्री जानुम सिंह सोय भी उपस्थित थे।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 12 जनवरी तक होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

शहर में कल से दिखेंगे 49 विदेशी नस्लों के आकर्षक डॉग

PHOTON NEWS JSR : फेडरेशन साइनोलॉजिक इंटरनेशनेल (एफसीआई) और द केनेल क्लब ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 9 से 12 जनवरी तक डॉग शो होगा, जिसमें विदेशी नस्ल के एक से बढ़ कर एक डॉग आएंगे। 34वां और 35वां एफसीआई डॉग शो व जमशेदपुर केनेल क्लब द्वारा आयोजित 77वें और 78वें चैंपियनशिप डॉग शो का उद्घाटन 9 जनवरी को सुबह 9 बजे डीसी अनन्य मित्तल करेंगे। के आर्चरी ग्राउंड में होगा। जमशेदपुर केनेल क्लब की ओर से मंगलवार को रुचि नरेंद्रन ने पत्रकारों को बताया कि इस बार कुल एफसीआई शो और जेकेसी शो में 421 डॉग प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भाग लेंगे। कुल 49 नस्लों के डॉग भाग लेंगे। इसमे कई विदेशी नस्लें हैं। रिंग में 4 हार्लेक्विन ग्रेट डेन्स देखने को मिलेंगे। 44 डोबरमैन कुत्ते व 31 साइबेरियन हस्की होंगे। जमशेदपुर के कुल 90 डॉग भाग ले रहे है। जमशेदपुर के डॉग ओनर्स के लिए प्रतियोगिता होगी। इसमे 8 डॉग को बेस्ट इन शो में स्थान दिया जाएगा। इस बार 4 रिंग में प्रतियोगिताएं होगी। उन्हें जमशेदपुर के स्थानीय डॉग में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया जाएगा।

पत्रकारों को संबोधित करतीं रुचि नरेंद्रन • फोटोन न्यूज

एफसीआई शो दूसरी बार जमशेदपुर में होगा

एफसीआई शो की मेजबानी जमशेदपुर केनेल क्लब 10 साल बाद दूसरी बार कर रहा है। है। जमशेदपुर केनेल क्लब पूर्वी भारत का एकमात्र केनेल क्लब है जिसे दूसरी बार एफसीआई शो की मेजबानी मिली है। इस बार विशेष रूप से 4 स्पेशलिटी शो होगा। इसमे लैब्राडोर शो; बीगल स्पेशलिटी शो, डोबरमैन स्पेशलिटी शो और साइबेरियन हस्की स्पेशलिटी शो आयोजित होगा।

पोस्ट ग्रेजुएट इन ओबिडिएंस टेस्ट देंगे

जमशेदपुर केनेल क्लब द्वारा ओबिडिएंस टेस्ट भी ले रहा है। इस बार कुल 49 डॉग ओबिडिएंस टेस्ट में भाग ले रहे है। 27 डॉग पोस्ट ग्रेजुएट इन ओबिडिएंस टेस्ट में भाग ले रहे हैं और 18 डॉग कम्पैनियन लेवल के लिए भाग ले रहे है। इसके साथ ही शो में कई विदेशी नस्लें भाग ले रही हैं। केशोंड और टॉय स्पैनियल पैपिलोन नस्लें पहली बार जमशेदपुर ग्राउंड पर भाग ले रही हैं। सैमोयड, मिनिएचर श्नौजर, इंग्लिश सेटर, मिनिएचर पिंसर , डॉग डे बोर्डो, डोगो अर्जेंटीनो, अमेरिकन स्टैफोर्डशायर ,शिपरके, फॉक्स टेरियर, जैक रसेल टेरियर, इंग्लिश पॉइंटर, केन कोर्सो आदि नस्लों के डॉग भी देखे जाएंगे।

ये जज करेंगे निर्धारण

इस वर्ष के शो के लिए दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ जज भाग ले रहे है। सभी जज एफसीआई से प्रमाणित है। उनमें से अधिकांश वर्ल्ड डॉग शो के नियमित जज हैं। भारत, ब्राजील, साइप्रस, ग्रीस, थाइलैंड स्लोवानिया, पुर्तगाल से जज आ रहे है।

स्वच्छता की पहल

डॉग शो में जमशेदपुर केनेल क्लब ने विशेष पहल की है। वहीं बताया जाएगा कि वे अपने डॉग का मल स्वयं मैदान से साफ करेंगे। इसके लिए सभी डॉग ऑनर को किट दिया जाएगा। इस पहल का मकसद है कि विदेशों की तरह हम सभी समझें कि अगर आपका डॉग मल त्याग करता है, तो इसे साफ करने की जिम्मेदारी भी डॉग ऑनर की है।

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह के साक्षी बन धन्य हुए श्रद्धालु, थिरके लोग

PHOTON NEWS JSR: पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मलेन के तत्वाधान में प्रभुदयाल भालोटिया सभागार, धालभूम क्लब ग्राउंड में आयोजित अष्टोतर शत श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर आचार्य बांकेबिहारी गोस्वामी ने अपने विद्वतापूर्ण उद्बोधन में मंगलवार को गोपी-उद्धव संवाद, सुदामा चरित्र एवं रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया। श्रद्धालु श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह के साक्षी बन धन्य हो गए। आचार्य ने रुक्मिणी विवाह के प्रसंग की भी चर्चा की। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा जीवंत मंचन भी किया गया। श्रोता एवं दर्शक आह्लादित होकर खुशी मनाते हुए नाचने-गाने लगे एवं आपस में एक दूसरे को बधाई देते हुए मिठाई बांटने लगे। उल्लेखनीय है कि श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह कार्यक्रम के यजमान सुरेश भालोटिया, कुणाल भालोटिया और चिंटू भालोटिया के परिवार के सौजन्य से हुआ। कथा को आगे बढ़ाते हुए आचार्य ने द्वारिकानगरी जाकर श्रीकृष्ण के द्वारिकाधीश के रूप में समस्त लीलाओ का वर्णन किया। द्वारकाधीश और सुदामा के हृदयस्पर्शी मिलन का जीवंत नाट्य मंचन देख कर श्रोता भाव विभोर हो उठे।

आज की कथा में पूर्व मुख्यमंत्री सह ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास भी शामिल हुए।

पिछले पांच दिनों की तरह मंगलवार को भी प्रातःकाल 6 बजे से 125 पुरोहितों ने अपने अपने यजमानों के लिए श्रीमद्भागवत पुराण का मूल पाठ किया।

व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य से आशीर्वाद मांगते रघुवर दास • फोटोन न्यूज

एलेक्सा रिसोर्ट में जुटे थे श्रीवास्तव गैंग के अपराधी, छापेमारी में चार गिरफ्तार

पतरातू क्षेत्र के ठेकेदारों को धमकाने के मामले में पुलिस कर रही थी तलाश

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले में संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस काफी संवेदनशीलता से कार्रवाई कर रही है। अपराधियों की भनक लगते ही पुलिस ना सिर्फ अलर्ट हो रही है, बल्कि बेहद शातिर तरीके से अपराधियों को दबोच भी रही है। रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड में एलेक्सा रिसोर्ट में जुटे अपराधियों को पुलिस ने भी बेहद नाटकीय तरीके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी श्रीवास्तव गैंग से ताल्लुकात रखते थे। वे लोग वहां पतरातू क्षेत्र में ठेकेदारों को धमकाने की योजना बना रहे थे। मंगलवार को एसपी अजय कुमार ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान बताया कि श्रीवास्तव गिरोह के

मामले की जानकारी देते एसपी अजय कुमार ● फोटोन न्यूज

चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें पतरातू थाने के स्टीम कॉलोनी निवासी दीपक कुमार, रोचाप गांव निवासी शहादत अंसारी, एहसान अंसारी और एक नाबालिक युवक शामिल है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि जैसे ही अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एलेक्सा रिजॉर्ट को घेरा गया, वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने संदेह के आधार पर वहां मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू की, तो कुछ लोगों ने चलाकी भी बरती। वह अपना फर्जी नाम पता बता कर भागने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन पुलिस को पहले पुख्ता जानकारी थी। कड़ाई से पूछताछ हुई और दीपक, शहादत, एहसान और एक अन्य अपराधी को दबोच लिया गया। दीपक और शहादत के पास से 9 एमएम का दो देसी पिस्टल और तीन जिंदा गोली बरामद हुआ है। इसके अलावा अपराधियों की स्कॉर्पियो गाड़ी (जेएच 01 डीसी 5893), सुजुकी कार (जेएच 01 एफएच 8859), एक बिना नंबर की कार और छह मोबाइल जब्त हुआ है।

एसपी अजय कुमार ने बताया कि अपराधियों की इस मीटिंग का पूरा प्लान होटवार जेल में बना था। जेल में बंद अमन श्रीवास्तव, रियाज अंसारी, शिव शर्मा और रतन सिंह के द्वारा धमकी दिए जाने और रंगदारी वसूलने की योजना बनाई गई थी। इस मीटिंग को सफल बनाने के लिए एलेक्सा रिसोर्ट के बाहर तीन लोगों को रेकी करने के लिए लगाया गया था। एहसान अंसारी और एक अन्य नाबालिक युवक इस रेकी में शामिल था, जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

एसपी ने बताया कि दीपक कुमार और शहादत अंसारी का आपराधिक इतिहास रहा है। दीपक के खिलाफ पतरातू और भुरकुंडा थाने में कई मामले दर्ज हैं। शहादत अंसारी के खिलाफ भी पतरातू थाना क्षेत्र में कई मामले पहले भी दर्ज हैं। कोल माइन्स एक्ट और वन अधिनियम के मामले में वह जेल भी गया था।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर बच्चे की मौत

LOHARDAGA : सेन्हा प्रखंड के चौकनी गांव में ट्रैक्टर के चपेट में आने से एक बच्चे की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वही सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पुलिस पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है। सेन्हा थाना क्षेत्र के अरुधरधरिया पथ पर चौकनी गांव के समीप मंगलवार को गोबर खाद गिरा कर लौट रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित हो पक्की सड़क से नीचे खेत में पलट गया। इससे सवार नाबालिक को अंदरूनी और बाहरी गम्भीर चोट लगने से घटना स्थल पर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार डाडू ढवठा टोली की ओर बिना रजिस्ट्रेशन नंबर का ट्रैक्टर जा रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित हो कर खेत में जा गिरा जिससे अप्रिय घटना हुआ। मृत बच्चे की पहचान उरु कदम टोली ग्राम निवासी रंथु उरांव का पुत्र नितेश उरांव (12) के रूप में किया गया। फिलहाल शव को पुलिस कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज ट्रैक्टर को जब्त कर चालक के विरुद्ध अग्रतर कारवाई आरम्भ कर दिया गया है।

घरों से जेवर चुराने वाला चोर व गलाने वाला सोनार गिरफ्तार

पत्रकारों को जानकारी देते रामगढ़ एसपी ● फोटोन न्यूज

RAMGARH : घरों से जेवरात चोरी करने वाले चोर और जेवर गलाने वाले सोनार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन कर रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि शातिर और आदतन चोर व्यापारी साहू उर्फ.नेपाली साहू पकड़ा गया है। एसपी ने बताया कि वह शातिर चोर को हजारीबाग जिला के गिद्दी थाना क्षेत्र अंतर्गत मनुवा गांव से पकड़ा गया है। पूछताछ के दौरान उसने रामगढ़ एवं कुज्जू क्षेत्र में चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार अपराधी के घर से चोरी किया गया 40 हजार रुपये नगद, चार मोबाइल फोन, एक टैब और पांच चांदी का सिक्का भी बरामद हुआ है। उस अपराधी के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर जेवर गलाने वाले सोनार रामगढ़ गोलपार्क निवासी ओमहरि सोनी को गिरफ्तार किया गया। ओमहरि सोनी की निशानदेही पर कांड में चोरी गए जेवरात को गलाकर बनाए गए विभिन्न प्रकार के आभूषण को उसके दुकान से बरामद किया गया है। बरामद आभूषण और सामान से संबंधित वैध कागजात की जब मांग की गई तो उसके द्वारा कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। एसपी ने बताया कि दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को मंगलवार को जेल भेज दिया गया है।

हथियार के साथ सात अपराधी गिरफ्तार

GIRIDIH : डकैती और लूट कांड की वारदातों में शामिल सात शातिर अपराधियों को गिरिडीह पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पपरावाटांड़ स्थित कार्यालय में एसपी डॉ विमल कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। गिरफ्तार अपराधियों में जमशेदपुर निवासी सागर मुंडा, पृथ्वी लोहार, सूरज टुडू, सुनील नायक, बिंदु नाग, राजधनवार निवासी सबर मोहन किस्कू ओर इलियास अंसारी शामिल है। एसपी ने बताया कि विगत 31 दिसंबर 2024 की रात्रि में धनवार थाना अंतर्गत राजा मंदिर के पास स्थित चंद्रिका पंडित के घर से सात अपराधियों के गिरोह ने डकैती की घटना को अंजाम दिया था। घटना के बाद पीड़ित के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पूर्व में रोहित शर्मा उर्फ टूटू विश्वकर्मा और आकाश मिश्रा को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद घटना में संलिप्त अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में इन सभी आरोपितों को पुलिस के जरिये गिरफ्तार किया गया। बताया कि विगत 8 दिसंबर को एक लूटपाट की घटना हुई थी उस घटना से संबंधित आरोपी को पुलिस द्वारा छानबीन की जा रही थी। बताया कि गिरफ्तार आरोपित में बिंदु नाग सबर ओर मोहन किस्कू लूटपाट घटना में संलिप्त था। बताया कि पुलिस ने एक देसी कट्टा, दो जिंदा गोली, चार मोबाइल फोन और एक चाकू भी बरामद किया है।

क्रिकेट मैच देख रहे थे लूटकांड के अपराधी, पुलिस ने दबोचा

- 13 दिसंबर की देर रात की थी लूटपाट, एक पिस्तौल व बाइक जब्त

JAMTARA : नकदी व मोबाइल लूट में शामिल दो अपराधी मंगलवार को करमाटांड़ के मकाटीकोठी क्रिकेट ग्राउंड में मैच देख रहे थे। जैसे ही आरोपियों के वहां होने की खबर करमाटांड़ पुलिस को मिली, पुलिस टीम ने छापेमारी कर दोनों आरोपियों को मौके से दबोच लिया। पुलिस टीम ने दबिश के दौरान करमाटांड़ थाना क्षेत्र के कासीटांड़ के रहने वाले रामलाल मंडल और सियाटांड़ के रहने वाले अपराधी शनिचर मंडल को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस टीम ने एक बाइक और लूट में प्रयुक्त पिस्तौल भी बरामद किया है। इस बात की जानकारी एसडीपीओ विकास आनंद लागुरी ने दी। एसडीपीओ ने बताया कि सिकरपोसनी के रहने वाले गोपाल मंडल से पिछले साल 13 दिसंबर की रात करीब 11.45 बजे सियाटांड़-सिकरपोसनी के बीच टूटा पुल के पास तीन अपराधियों ने लूटपाट की थी। आरोपियों ने गोपाल के सिर पर पिस्तौल की बट से प्रहार कर 42,850 रुपये और एक मोबाइल फोन छीन लिया था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी हथियार लहराते मौके से फरार हो गए थे। गोपाल मंडल की शिकायत पर करमाटांड़ थाने में 15 दिसंबर को मामला दर्ज किया गया था। डीएसपी ने बताया कि पीड़ित के बयानों पर मामला दर्ज करने के बाद घटना के बाद से आरोपियों की पुलिस को तलाश थी।

शीघ्र होगा बालू घाटों का संचालन, जेसीबी व हाइवा आदि के प्रयोग पर प्रतिबंध

KHUNTI : सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन ने आम जनता को सस्ती और वैध बालू उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक और महत्वपूर्ण पहल की है। पंचायत स्तर पर कैटेगरी-1 के पांच बालू घाटों का संचालन जल्द ही शुरू किया जाएगा। इस पहल से न केवल बालू की उपलब्धता आसान होगी, बल्कि अवैध खनन पर भी प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

ये पांच बालू घाट कर्रा प्रखंड की सुनगी पंचायत, तोरपा प्रखंड की दियांकेल और चुरगी पंचायत, तथा मुरहू प्रखंड की माहिल और गनालोया पंचायत में संचालित किए जाएंगे। इसे लेकर मंगलवार को समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में संबंधित पंचायतों के मुखिया और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

गैंगस्टर हत्या मामले में 11 पर प्राथमिकी

पुलिस को चालक पर संदेह, हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ

PHOTON NEWS PALAMU : गैंगस्टर भरत सिंह उर्फ भरत पांडेय व दीपक साव की हत्या के मामले में चैनपुर थाना में 11 लोगों पर नामजद प्राथमिकी कराई गई है। मृतक के पिता प्रदीप सिंह उर्फ गुज्जू पांडेय ने प्राथमिकी में पांडेय गिरोह के निशि पांडेय व विकास तिवारी समेत 11 पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें आकाश तिवारी, विकास साव, अमित साव उर्फ जूली, सुभाष सिंह, अनिल यादव, सुनील धोबी, बबलू ठाकुर, संदीप ठाकुर, निशांत सिंह शामिल थे। सभी आरोपित पतरातू थाना क्षेत्र के पतरातू रेलवे कालोनी निवासी हैं। प्रदीप सिंह उर्फ गुज्जू पांडेय ने कहा कि जेल में बंद विकास तिवारी ने निशि पांडेय के सहयोग से घटना को अंजाम दिया है। कहा कि अमन साव, अखिलेश श्रीवास्तव के गिरोह पर कोई शक नहीं हैं। जेल में बंद विकास तिवारी जेल से आदेश देता है। निशि पांडेय पैसा देकर घटना को अंजाम दिलाती है। 2021 में उसके भाई अखिलेश पांडेय की हत्या भी उनलोगों ने कराई थी।

मामले की जांच में जुटे पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

पुलिस ने किया एसआईटी का गठन

गैंगवार के मामले में पलामू पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया है। सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में गठित एसआईटी में सदर और शहर अंचल के इंस्पेक्टर, सतबरवा, रामगढ़, सदर, मनातू, हैदरनगर के थाना प्रभारी शामिल हैं। एसआईटी विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर रही है। इधर, दूसरी ओर पुलिस मृतक भरत पांडेय के चालक गरदा निवासी संजोग सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वह मृतक भरत पांडेय का मौसेरा भाई भी है।

> गैंगस्टर भरत सिंह उर्फ भरत पांडेय व दीपक साव की हत्या के मामले में एसआईटी का गठन कर विभिन्न इलाकों में छापेमारी की जा रही है। इस मामले में चैनपुर थाना में 11 आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी की गई है। इधर, रांची से पहुंची फारेंसिक की टीम ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। फारेंसिक जांच के बाद दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम के उपरांत पलामू पुलिस शवों को स्वजनों को सौंप देगी। – रीष्मा रमेशन, एसपी, पलामू

रिम्स में होगा मृतकों का पोस्टमार्टम : मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में सोमवार देर शाम मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए लाया गया। शाम हो जाने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका। मंगलवार को अस्पताल अधीक्षक डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने पोस्टमार्टम के लिए पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया।

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे : केंद्रीय मंत्री

- जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक में अन्नपूर्णा देवी ने दिए निर्देश

PHOTON NEWS HAZARIBAG : केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्रालय अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक हुई। समाहरणालय सभागार में हुई बैठक में सांसद मनीष जायसवाल, विधायक बरही मनोज यादव व विधायक बरकट्ठा अमित यादव भी थे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की सभी योजना की पहुंच आम जनता तक सुगमता से पहुंचे, हम सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की यह

केंद्रीय मंत्री का स्वागत करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय (बाएं) ● फोटोन न्यूज

महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है। जनकल्याणकारी योजनाओं का सही लाभ सही लाभुक तक एवं गुणवत्ता और तत्परता से मिले, इसके लिए हमारी सजगता एवं संवेदनशीलता जरूरी है। काम की गुणवत्ता के साथ समझौता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाने की जरूरत है। निगरानी प्रणाली में जनप्रतिनिधियों को शामिल करते हुए संबंधित विभागों को जिम्मेवार बनाकर गुणवत्ता की सतत मॉनिटरिंग की जाए, समय पर योजना पूरा हो यह सुनिश्चित करें। योग्य लाभुकों को उनका हक मिले तथा समयबद्ध तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन हो। केंद्रीय मंत्री ने विभागवार किए जा रहें कार्यों की समीक्षा की तथा कई आवश्यक निर्देश दिए।

वन स्टॉप सेंटर पहुंचीं मंत्री अन्नपूर्णा देवी

HAZARIBAG : केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय अन्नपूर्णा देवी ने मंगलवार को सदर अस्पताल परिसर में संचालित सखी-वन स्टॉप सेंटर, हजारीबाग का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री के साथ अमित कुमार यादव, विधायक बरकट्ठा व प्रदीप प्रसाद, विधायक हजारीबाग सदर भी उपस्थित रहे। मंत्री ने सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं एवं साफ-सफाई को संतोषप्रद बताया। मंत्री को जानकारी दी गई कि इस सेंटर में वर्तमान में शक्ति सदन व डीएचईडब्लू का संचालन किया जा रहा है। मंत्री ने शक्ति सदन एवं डीएचईडब्लू के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन से डॉ. सरयू प्रसाद, सिविल सर्जन, पंकज कुमार, जिला योजना पदाधिकारी, शिप्रा सिन्हा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, प्रतिमा कुमारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, हजारीबाग ग्रामीण -सह- नोडल पदाधिकारी, सखी-वन स्टॉप सेंटर/शक्ति सदन/डी.एच.ई.डब्लू., हजारीबाग उपस्थित थीं।

पुलिस ने नक्सली को किया गिरफ्तार

AGENCY GIRIDIH : गिरिडीह पुलिस ने जिले के नक्सल प्रभावित भेलवाघाटी थाना इलाके से प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के सक्रिय सदस्य रहे तालो मरांडी उर्फ सुनील मरांडी को गिरफ्तार किया है। वह जमुई के चकाई का रहने वाला है। मरांडी भेलवाघाटी के बलिहारी जंगल में अपने परिजनों के साथ पैदल जाने के क्रम में गुप्त सूचना पर गिरफ्तार किया है। मंगलवार को एसपी डॉ. विमल कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार नक्सली का पूर्व में अपराधिक इतिहास रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 - 20 में झारखंड - बिहार के सीमावर्ती इलाके में दहशत कायम करने , ठेकेदारों से लेवी वसूली करने , सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट करने सहित अन्य नक्सली कांडों के आरोप में सीमावर्ती चमाई , भेलवाघाटी थाने में मामले

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देते एसपी डॉ. विमल कुमार

दर्ज है। एसपी ने कहा की तालो मरांडी बिहार झारखंड के ईनामी और कुख्यात नक्सलियों के मारक दस्ते से जुड़ा रहा है। इसमें पिंटू राणा, मारा गया ईनामी नक्सली चिराग दा के दस्ते से जुड़ा हुआ था। एक समय इन दोनों के इशारे पर तालो मरांडी इलाके में चलने वाली योजनाओं में ठेकेदारों से लेवी वसूलने का काम करता था। साल 2020 में इसने दोनों राज्यों के सीमावर्ती गांव गुनायाथर के जेडी नदी के समीप जमीन में बड़े पैमाने पर विस्फोटक छिपाकर रखा था।उन्होंने बताया कि जमीन के भीतर छिपाकर रखने का मकसद किसी बड़े नक्सली घटना को अंजाम देना था। गुनियाथर में तालो मरांडी के नेतृत्व में नदी पर निमार्णाधीन पुल के ठेकेदारों से लेवी का मांग किया गया था। नहीं देने पर तालो मरांडी ने अपने दस्ते के साथियों के साथ सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट किया था।

मंडल कारा में जिलास्तरीय दल ने ली बंदियों से सुविधा की जानकारी

जिलास्तरीय दल के प्रतिनिधि ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : चाईबासा की सुकन्या संस्था बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट से पारित आदेश एवं झालसा के निर्देश पर गठित जिलास्तरीय जांच दल ने मंगलवार को मंडल कारा में जांच अभियान चलाया गया। जांच दल में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को शामिल किया गया था। इस संयुक्त जांच अभियान में प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला जज मौहम्मद शाकिर, एसपी आशुतोष शेखर, प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह आदि भी शामिल थे। जांच दल में शामिल अधिकारियों ने मंडल कारा के प्रत्येक बंदियों से बातचीत की तथा उनसे जानकारी ली गई कि क्या उन लोगों के साथ जाति, धर्म या लिंग के आधार पर कारा में किसी तरह का कोई भेदभाव किया जाता है। साथ ही खानपान एवं पढ़ाई लिखाई या इलाज में किसी तरह का कोई भेदभाव किया जाता है। इस पर सभी बंदियों ने बताया कि उनके साथ किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।

एचएमपीवी को लेकर सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को दिए गए निर्देश

वायरस से डरने की जरूरत नहीं, रहें सचेत

PHOTON NEWS DHANBAD : चीन में तेजी से फैल रहे ह्यूमन मेटान्यूवायरस (एचएमपीवी) को लेकर देश भर में अलर्ट जारी किया जा रहा है। धनबाद में भी स्वास्थ्य विभाग सतर्कता बरत रहा है। इसे लेकर जिला महामारी नियंत्रण रोग विभाग ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को इस संबंध में निर्देश दिए जा रहे हैं। महामारी रोग नियंत्रण विभाग के पदाधिकारी डॉ. राजकुमार सिंह ने बताया कि वायरस से किसी भी प्रकार का खतरा नहीं दिख रहा है, लेकिन सचेत रहना जरूरी है। किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना है। धनबाद में अभी ऐसा कोई मामला नहीं आया है। सभी अस्पतालों को भी सूचित किया जा रहा है कि एचएमपीवी वायरस के मिलते-जुलते लक्षण होने पर इसकी सूचना तत्काल जिला महामारी रोग नियंत्रण विभाग को

दी जाए। इसके लिए जांच किट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिनमें शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता कम है, ऐसे मरीजों को सावधान रहने की जरूरत है।

बेंगलुरु और अहमदाबाद में कुछ संक्रमित मिले हैं। ऐसे में बाहर से आने वाले लोगों पर भी निगरानी रहेगी।

डॉ. राजकुमार सिंह ने बताया कि यह वाइरस नया नहीं है। यह काफी पुराना वायरस है, जो सर्दी-खांसी और बुखार का कारण बनती है। हालांकि इससे लोग तेजी से संक्रमित हो सकते हैं। इसलिए लोगों से अपील की जा रही है कि भीड़भाड़ वाले स्थान पर मास्क लगाकर जाएं। शारीरिक दूरी बनाकर रखना बेहतर विकल्प है। हालांकि इस वायरस से डरने की जरूरत नहीं है।

एचएमपीवी के लक्षण

- सर्दी-जुकाम होना
- गले में हल्की खराश होना
- सिरदर्द के साथ बुखार भी होना
- बच्चों में तेजी से ठंड लगना, नाक बहना
- खांसी के साथ बुखार भी होना

बचाव के उपाय

- बाहर निकलते वक्त मास्क जरूर लगाएं
- संक्रमित व्यक्ति घर में भी मास्क पहनें
- खांसते-छींकते समय मुंह पर रूमाल या कपड़ा रखें
- हाथों को साबुन से हर आधे घंटे पर धोएं
- साफ-सफाई का ख्याल रखें

ये बातें अमल में लाएं

- संक्रमित व्यक्ति से संपर्क में नहीं आएं
- उनके प्रयोग किए गए कपड़े व सामान न छुएं
- भीड़भाड़ वाले इलाके में जाने से बचें।

बाइक सवार अपराधियों ने मजदूर को मारी गोली

अस्पताल में घायल मजदूर का इलाज करते डॉक्टर ● फोटोन न्यूज

PALAMU : बाइक सवार अपराधियों ने मंगलवार को सदर थाना क्षेत्र के जोरकट में मजदूर को गोली मार दी। हालांकि गोली मजदूर के पैर में लगी है। घायल मजदूर को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि गोली लगने से घायल मजदूर मजदूर मनीष कुमार सतबरवा थाना क्षेत्र के पोलपोल गांव का निवासी है। वह ओरकट में एनएच फोरलेन कार्य के तहत टोल प्लाजा के निर्माण में मजदूरी करता है। मंगलवार की शाम वह टोल निर्माण स्थल पर था। इस दौरान बाइक पर सवार अपराधी वहां पहुंचे और हथियार तानकर पूछे कि यहां कौन निर्माण करा रहा है। पूछताछ के दौरान हथियार से गोली चल गई, जो मनीष के पैर में लग गई। गोली चलने की घटना से आसपास के लोग वहां जुट गए। उसके बाद अपराधी बाइक से भाग निकले। घटना की सूचना पाकर सदर थाना के एएसआई अनंत सिंह, बीबी शामद पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल मजदूर को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल भेजा।

धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक सौहार्द के लिए गौवध निषिद्ध होना ही चाहिए

हमारा देश भारत अनेकता में एकता का सम्मान करने वाला विविधताओं से भरा है, जहां कई धर्मों और संस्कृतियों के लोग मिलजुल कर रहते करते हैं। यहां की आबादी में हिंदू लगभग 80%, जबकि मुस्लिम लगभग 15% हैं। ऐसे में जहां ज्यादातर लोग गाय को पवित्र पशु के रूप में मानते हैं और उसे आस्था की नजरों से देखते हैं, उनकी भावनाओं का सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। दूसरों की मान्यताओं का सम्मान करना, सद्भाव से रहना और ऐसे किसी भी काम से बचना, जो दूसरों की भावनाओं को चोट पहुंचा सकता है या समाज में समस्याए पैदा कर सकता है। इस्लाम में हमारा धर्म हमें दूसरों के साथ शांति से रहना और उनकी परंपराओं और मान्यताओं का सम्मान करना सिखाता है। कुरान हमें ऐसे काम करने से बचने के लिए कहता है, जो दूसरों की भावनाओं को चोट पहुंचा सकते हैं, खासकर अगर इससे बहस या हिंसा हो। जब हम समझते हैं कि भारत में अधिकतर लोग गाय को पवित्र मानते हैं तो सच्चे मुसलमान के तौर पर यह हमारा कर्तव्य है कि हम यह सुनिश्चित करें कि हम बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं। यह प्यार और दोस्ती को सम्मान देकर सौहार्द और आपसी प्रेम को बढ़ाने वाले तरीके से जीने के बारे में है। भारत में सामाजिक तनाव और हिंसा का बड़ा कारण गौहत्या रहा है। हाल के वर्षों में भीड़ द्वारा हमले और लिंचिंग की घटनाएं हुई हैं, जहां गौहत्या या गौमांस खाने के आरोप में कई लोगों को पीटा गया या यहां तक कि मार दिया गया। इनमें से कई हमले गलतफहमी या अफवाहों के कारण हुए। ऐसी घटनाएं समुदायों के बीच विभाजन पैदा करती हैं, जिससे लोगों का एक दूसरे पर भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। भारत में गौहत्या का इतना बड़ा मुद्दा बनने का एक कारण यह है कि गाय हिंदू संस्कृति के साथ बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। गाय को गौमाता कहा जाता है, जिसका अर्थ है- गाय माता। हिंदुओं का मानना है कि गाय दयालुता, देखभाल और निःस्वार्थ भाव से देने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है, क्योंकि यह मनुष्यों को दूध प्रदान करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में गाय को परिवार का सदस्य माना जाता है। भारत दुनिया का बड़ा दूध उत्पादक है, जो वैश्विक डेयरी उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। लाखों किसान, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अपनी आय के लिए गायों पर निर्भर हैं। भारतीय डेयरी उद्योग देश की कृषि की आधारशिला है, जिसका दूध उत्पादन वित्त वर्ष 2023 में लगभग 230 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया। यह पिछले वर्षों की तुलना में लगातार वृद्धि दशार्ता है, जो इस क्षेत्र के विकास और महत्व को रेखांकित करता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है, जहां प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 459 ग्राम प्रतिदिन है। इसलिए जब गायों का वध किया जाता है तो यह इस व्यवस्था को बाधित करता है और गांवों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। गायों की रक्षा करना किसानों की आजीविका का समर्थन करना और देश की आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने से भी गहरे तक जुड़ा है। इस्लाम में जानवरों की बलि देना धार्मिक प्रथाओं का हिस्सा है, खासकर ईद-उल-अजहा के दौरान। हालांकि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस्लाम में विशेष रूप से गायों की बलि की आवश्यकता नहीं है। अन्य जानवर जैसे बकरी, भेड़ या भैंस की भी बलि दी जा सकती है। भारत जैसे देश में जहां गौहत्या तनाव पैदा करती है, विकल्प चुनना दूसरों को चोट पहुंचाने से बचने का एक सरल तरीका है और अपने धार्मिक कर्तव्यों को भी पूरा करना है। 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने अवैध बूचड़खानों पर कार्रवाई शुरू की। यह कदम उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विशेष रूप से प्रमुख था और इसका उद्देश्य मौजूदा कानूनों को लागू करना और मांस उद्योग को विनियमित करना था। इस पहल के तहत कई अपंजीकृत और अनियमित बूचड़खानों को बंद कर दिया गया। 2016 से 2020 तक गौहत्या या गौमांस खाने के आरोपों में भीड़ की हिंसा और लिंचिंग की घटनाओं में 50 से अधिक लोगों की जान चली गई। ये दुखद घटनाएं अक्सर गलतफहमी, झूठी अफवाहों या सोशल मीडिया पर गलत सूचना के कारण होती हैं। इस तरह की हिंसा ने समुदायों के बीच विभाजन पैदा किया है और भारत में शांति और एकता बनाए रखने के लिए इन मुद्दों को संबोधित करने के महत्व को रेखांकित किया है। धार्मिक भावनाओं का सम्मान करके और हिंसा को बढ़ावा देने वाली गलत सूचनाओं के प्रसार को रोक कर सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा दिया जा सकता है। हमारा इतिहास बताता है कि हिंदू और मुसलमान सदियों से शांतिपूर्वक साथ रहते आए हैं। मुगल काल में अकबर और जहांगीर जैसे शासकों ने हिंदू प्रजा की मान्यताओं का सम्मान करने के लिए गौहत्या से परहेज किया। इन भावनाओं का सम्मान करने के उनके फैसले ने साम्राज्य में शांति और एकता बनाए रखने में मदद की। अगर वे सैकड़ों साल पहले इस स्तर की समझदारी और उदारता दिखा सकते थे, तो हम आज की आधुनिक दुनिया में भी ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं। गौहत्या से जुड़ी हिंसा अक्सर समझ और संवाद की कमी के कारण होती है। बहुत से लोग यह नहीं समझते कि बहुसंख्यकों की मान्यताओं का सम्मान करने का मतलब अपनी मान्यताओं को छोड़ना नहीं है। इसका मतलब बस एक संतुलन बनाना है, जो सुनिश्चित करता है कि हर कोई शांति से रह सके।

अब अपनों के निशाने पर आ गई कांग्रेस पार्टी

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडी गठबंधन टूट के कगार पर है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। अब दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने कांग्रेस को गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। यहां दोनों पार्टियों अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आआपा खासी नाराज हो गई। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह चुनाव लड़ रही है, उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपनी जीत तय मानकर आआपा से गठबंधन से इनकार कर दिया था।

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडी गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं द्वारा कांग्रेस से गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडी गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुलेआम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही हैं। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडी गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की है। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी सहमति जताई। इससे विपक्षी गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडी गठबंधन टूट के कगार पर है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। अब दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने कांग्रेस को गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। यहां दोनों पार्टियों अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आआपा खासी नाराज हो गई। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह चुनाव लड़ रही है, उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपनी जीत तय मानकर आआपा से गठबंधन से इनकार कर दिया था। इसके चलते आआपा ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आआपा से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गंवा दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी, जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर लड़ा था। महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महाविकास अघाड़ी की करारी हार के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आआपा और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार की भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले जीत सकती है, इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इनमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ी थी। इनमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का औसत, 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का औसत 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह देखें तो कांग्रेस को अकेले चुनाव लड़ने के बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे। कांग्रेस पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ी थी। बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश हैं, जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा, जहां उनकी सीटें 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी। वहां कांग्रेस सबसे अधिक 101 सीटों पर चुनाव लड़ी, जिसमें महज 16 सीट ही जीत पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले, जो कुल मतदान का 12. 42 प्रतिशत थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट 15.38 प्रतिशत ही रहा। संसद के शीतकालीन सत्र का समापन हो चुका है। इसमें अधिकांश समय कांग्रेस ने अडानी मुद्दे को लेकर संसद नहीं चलने दी। इससे संसद का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। इसको लेकर भी कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस, सपा ने कांग्रेस को घेरते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बहस नहीं होने देना चाहती है तथा सिर्फ अडानी मुद्दे को ही जिंदा रखे हुए है। यदि संसद चलती तो कई तरह के मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता था। इंडी अलायंस में जिस तरह की खटपट वर्तमान समय में चलने लगी है, वह अलायंस के लिए शुभ नहीं मानी जा सकती है। अलायंस में शामिल दल ही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व को नकारने लगे हैं। इससे बुरी बात कांग्रेस पार्टी के लिए और क्या हो सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर गठबंधन बनाकर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। वहीं, गठबंधन अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है। आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। वहां भाजपा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। आआपा चाहती है कि वह दिल्ली की सत्ता पर फिर से काबिज हो। मगर, कांग्रेस का रवैया देखकर आआपा भी सकते में है। पार्टी के नेता कांग्रेस को वोट कटवा के रूप में देख रहे हैं तथा खुलेआम भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पूर्ण रूप से सूची जारी कर दी है। यदि दिल्ली चुनाव में आआपा पराजित हो जाती है तो गठबंधन के ताबूत में वह आखरी कील साबित होगी। कांग्रेस को यदि इंडी गठबंधन को बचाना है, तो अपने सहयोगी क्षेत्रीय दलों की भावनाओं को समझ कर फैसला करना होगा। तभी कांग्रेस अपना राजनीतिक वजूद को बचा पाएगी।

आर्थिक विकास की धुरी बनते गांव

हाल में आई एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी सहायता कार्यक्रमों के सकारात्मक प्रभावों और विकास कार्यों के कारण देश में गरीबी में कमी आई है। यह पिछले वर्ष में घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। गरीबी में यह कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। यहां वित्त वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई। वित्त वर्ष 2009-10 से 2023-24 के बीच शहरी इलाकों में हर माह प्रतिव्यक्ति उपभोक्ता खर्च 1984 रुपये से बढ़कर 6996 रुपये और ग्रामीण इलाकों में यह खर्च 1054 रुपये से बढ़कर 4122 रुपये हो गया। इस प्रकार देखें तो पिछले 14 वर्षों में आमदनी बढ़ने से जहां शहरों में हर माह प्रतिव्यक्ति उपभोक्ता खर्च 3.5 गुना हो गया, वहीं यह ग्रामीण इलाकों में करीब चार गुना हो गया। शहरों की तुलना में गांवों में खर्च की वृद्धि ज्यादा है। विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित दुनिया में गरीबी संबंधी रिपोर्ट-2024 में भी कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबों की संख्या 1990 में 43.1 करोड़ थी। यह संख्या घटते हुए 2021 में 16.74 करोड़ और 2024 में करीब 12.9 करोड़ रह गई। नीति आयोग की तरफ से वैश्विक मान्यता के मापदंडों पर आधारित बहुआयामी गरीबी इंडेक्स (एमपीआई)-2024 के मुताबिक देश में पिछले दस वर्षों में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर आए हैं। इससे जाहिर होता है कि भारत में तेजी से बढ़ता विकास आम आदमी की आमदनी बढ़ा रहा है और गरीबी में तेजी से घटने की प्रवृत्ति उभर रही है। इसके साथ ही शहरों की तुलना में गांवों में गरीबी तेजी से घट रही है और उनकी आमदनी एवं क्रय शक्ति में भी तेज वृद्धि हो रही है। इसमें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने अहम भूमिका निभाई है। सरकार ने इसके तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोगों को 2028 तक मुफ्त अनाज दिया जाना सुनिश्चित किया है। देश भर में मौजूदा सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पांच लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से यह निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि 2016 से राशन की दुकानों में प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) मशीनों की शुरूआत से इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिली है। 2011-12 की खपत संख्या के आधार पर शांता कुमार समिति ने कहा था कि पीडीएस व्यवस्था में करीब 46 प्रतिशत लीकेज है। इस समय यह लीकेज घटकर 28 प्रतिशत रह गया है। राशन कार्ड के डिजिटलीकरण के चलते देश में पीडीएस को अधिक कारगर बनाने के लिए आधार एवं ईकेवाईसी प्रणाली के माध्यम से सत्यापन कराने के बाद अब तक फर्जी पाए गए पांच करोड़ 80 लाख से अधिक राशन कार्ड रद कर दिए गए हैं। डिजिटल इंडिया, शौचालय, स्वच्छ पेयजल और आयुष्मान भारत योजना, स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य आदि योजनाओं से भी देश में गरीबी में कमी आ रही है। खासतौर से करीब 54 करोड़ से अधिक जनधन खातों, करीब 138 करोड़ आधार कार्ड तथा करीब 115 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं की शक्ति वाले जैम (जेएएम यानी जनधन, आधार, मोबाइल) से सुगठित डिजिटल ढांचा गरीबों के सशक्तीकरण में असाधारण भूमिका निभा रहा है। जैम के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हस्तांतरित हो रही है। 2014 से वर्ष 2024 तक 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि लाभार्थियों के खातों में सीधे जमा हो चुकी है। इन सबसे गरीबी में बड़ी कमी आई है और ग्रामीण भारत विशेष रूप से लाभान्वित हुआ है। आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। डिजिटल तकनीक की मदद से डाक्टर और अस्पताल भी गांवों से कनेक्ट हो रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के जरिये किसानों को छह हजार रुपये की सालाना आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि ऋण साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। फसलों पर दी जाने वाली सब्सिडी और फसल बीमा की राशि को भी बढ़ाया है। स्वामित्व योजना के जरिए गांव के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार नए वर्ष में गरीबी को और घटाने के लिए गरीबों के सशक्तीकरण की मौजूदा योजनाओं के कारगर क्रियान्वयन के साथ नई योजनाओं एवं नए रणनीतिक प्रयासों के साथ आगे बढ़ेगी और बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे करीब 15 करोड़ से अधिक लोगों को 2030 तक गरीबी से बाहर लाने के लक्ष्य पर ध्यान देगी। सरकार को चाहिए कि विकसित भारत के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और सशक्त बनाने की डगर पर आगे बढ़े। इससे भी ग्रामीणों की आमदनी में तेजी वृद्धि होगी और ग्रामीण गरीबी में और कमी आएगी।

Social Media Corner

सच के हक में...

आदरणीय प्रधानमंत्री जी, आपके यशस्वी और दूरदर्शी नेतृत्व का ही प्रतिफल है कि भारत 1,000 किलोमीटर लंबाई के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क बन गया है। देश भर में हुए इस मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार ने लाखों नागरिकों के लिए तेज और सुरक्षित यात्रा को सहज सुलभ बना दिया है।

(यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का 'एक्स' पर पोस्ट)

चुनाव से पहले कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने घोषणा की थी कि 1 दिसंबर से हर परिवार को ₹450 में गैस सिलेंडर मिलेगा। लेकिन अब, चुनावी जीत के बाद कांग्रेस कोटे से नियुक्त वित्त मंत्री का रुख अचानक बदल गया है। वे अब कह रहे हैं कि ₹450 में गैस सिलेंडर देने के लिए गठबंधन के साथी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की मंजूरी जरूरी है। अब सवाल यह उठता है कि क्या कांग्रेस ने झामुमो की सहमति के बिना यह वादा कर दिया था? और अगर झामुमो वाकई इस वादे को लागू करने में बाधा बना हुआ है, तो कांग्रेस को खुलकर जनता के सामने सच रखना चाहिए। गठबंधन का बहाना बनाकर, अपने चुनावी वायदों से पीछे हटकर झामुमो कांग्रेस जनता के विश्वास के साथ धोखा कर रही है। चुनावी वायदे केवल वोट बटोरने का जरिया नहीं होते, बल्कि जनसेवा की प्रतिबद्धता का प्रतीक होते हैं। इसलिए आरोप प्रत्यारोप छोड़कर जनता को जल्द से जल्द ₹450 में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की पहल शुरू की जाए।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

मनुष्य और तकनीक के संबंधों को लेकर उभरती चिंताएं

वर्ष 2025 के बारे में चाहे किसी ने आशावादी या निराशावादी विचार व्यक्त किए हों, मगर ये सच है कि इन चिंतकों ने मनुष्य और डिजिटल तकनीकों के निकट भविष्य के लिए अपनी चिंताओं को भी व्यक्त किया है। उनकी ज्यादातर चिंताएं प्रौद्योगिकी कंपनियों की बढ़ती शक्ति पर केंद्रित हैं, जो लोगों के जीवन में सूचना प्रवाह को नियंत्रित करती हैं और व्यक्तियों की गोपनीयता और स्वायत्तता से समझौता करने की उनकी क्षमता पर केंद्रित हैं। इसकी बहुत कम संभावना है कि बाजार पूंजीवाद और मुनाफा कमाने को प्राथमिकता बनाने की प्रतिस्पर्धी अनिवार्यता को बदलने में सफल होगा। सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए झूठ का प्रसार सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगा। कुछ संभावित उपाय नागरिक स्वतंत्रता में बाधा डाल सकते हैं। ऑनलाइन झूठ, गलत सूचना का बेकाबू प्रवाह विभाजनकारी, खतरनाक और विनाशकारी है। स्वास्थ्य निगरानी, कार्य निगरानी और सुरक्षा समाधान जो लागू किए जा सकते हैं, वे बड़े पैमाने पर निगरानी का विस्तार करेंगे और मानवाधिकारों को खतरे में डालेंगे। टेलीवर्क के कारण अधिक व्यावसायिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं के तेज स्वचालन से मनुष्यों के लिए उपलब्ध नौकरियों की संख्या कम हो रही है। इसके अतिरिक्त इतने ज्यादा अलगाव के समय में लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ा है। मुझे लगता है कि बिगड़ती आर्थिक स्थिति, नागरिक अशांति, अनिश्चित दीर्घकालिक महामारी परिणामों के संगम से प्रौद्योगिकी से संबंधित नुकसान और दुरुपयोग की संभावना अधिक है, विशेष रूप से तब जब उत्पाद, जोखिम मूल्यांकन आदि पर कम कठोरता के साथ बाजार में आते हैं। तकनीक हमारे जीवन में और भी व्यापक हो जाएगी, हर पहलू में। यह काम ज्यादा विकल्प और बेहतर सेवा को सक्षम करेगा, लेकिन इसकी बहुत अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। निगरानी में वृद्धि, गोपनीयता की हानि, अधिक जोखिम व्यक्तियों और राजनीतिक प्रणालियों दोनों के लिए घातक होगा। बिगड़ती आर्थिक स्थिति, नागरिक अशांति, अनिश्चित दीर्घकालिक महामारी के परिणामों का गठजोड़ प्रौद्योगिकी से संबंधित नुकसान और दुरुपयोग की ओर ले जाने की अधिक आशंका है। बहुत कम या बिना किसी पारदर्शिता, जवाबदेही या निगरानी के साथ काम करने वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों की विशाल और काफी हद तक अनियमित शक्ति चिंताजनक है। साल 2025 आर्थिक, स्वास्थ्य और कल्याण कारकों के आधार पर औसत व्यक्ति के लिए बदतर होगा, जिसके परिणामस्वरूप बढ़े हुए कर्ज, कम बचत, कम वेतन वृद्धि जैसे प्रभाव होंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्ष 2025 कहीं ज्यादा तकनीक चालित होगा और ज्यादा बड़ी चुनौतियां पेश करेगा। लोगों के पास काफी कम दोस्त होंगे, क्योंकि नियमित रूप से व्यक्तिगत संपर्क की कमी के कारण रिश्ते कम होते जा रहे हैं। युगल और एकल परिवार पर कुछ हद तक नव-परंपरावादी गहन ध्यान केंद्रित होगा, जो कि काफी हद तक दमघोंटू होगा। जीवन अधिक तकनीक-संचालित होगा, जिससे और भी बड़ी चुनौतियां सामने आएंगी। लोग अच्छे और बुरे के लिए तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल उपकरणों पर अधिक निर्भरता विकसित कर लेंगे। व्यापक सामाजिक परिवर्तन से ज्यादातर लोगों के लिए जीवन बदतर हो जाएगा, क्योंकि अधिक असमानता, बढ़ता सत्तावाद और बड़े पैमाने पर गलत सूचनाएँ समाज पर हावी हो रही हैं। सामाजिक और नस्लीय असमानता बढ़ने, सुरक्षा और गोपनीयता के बिगड़ने और गलत सूचना के और अधिक फैलने की आशंका है।

मनगढ़ंत शिकायत

यह बेहद अफसोसनाक है कि तमिलनाडु विधानसभा के नए साल के सत्र की शुरूआत में सदन को राज्यपाल द्वारा दिया जाने वाला पारंपरिक संबोधन साल दर साल एक अप्रिय घटना में तब्दील होता जा रहा है। लगातार तीसरे साल राज्यपाल आरएन रवि की विवाद खड़ा करने की प्रवृत्ति सामने आई है। वह यह दावा करते हुए संबोधन को बिना पढ़े ही विधानसभा से चले गए कि राष्ट्रगान और देश के संविधान का अपमान किया गया है, क्योंकि उनके भाषण से पहले राष्ट्रगान नहीं बजाया गया। राज्य सरकार का कहना है कि विधानसभा में अभिभाषण से पहले तमिल में राज्य का आह्वान तथा राज्यपाल के भाषण के अंत में राष्ट्रगान बजाने की परंपरा है और इस बारे में राज्यपाल के कार्यालय को अवगत कराया गया है। पिछले सालों की तरह इस कार्यक्रम के घोर राजनीतिकरण का अधिकांश दोष राज्यपाल रवि को देना होगा। अगर उन्हें विधानसभा में अपनाई जाने वाली प्रथा के बारे में पहले से जानकारी थी, तो उनकी यह शिकायत विवाद पैदा करने और सदन के पटल पर सरकार के नीतिगत वक्तव्य को प्रस्तुत करने के अपने संवैधानिक कर्तव्य को निभाने से बचने की एक चाल नजर आती है। वर्ष 2023 में रवि ने राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए संबोधन के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था, जिसमें शासन के द्रविड़ मॉडल का संदर्भ और राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति से जुड़ी कुछ तारीफ शामिल थी। पिछले साल उन्होंने संबोधन को यह कहते हुए पढ़ने में असमर्थता जाहिर की कि उसमें बकौल उनके भ्रामक दावे और तथ्य थे। गौरतलब है कि हाल ही में कई राज्यपालों को बदलने और इस पद पर नई नियुक्तियां करने का दौर चला था। खासतौर पर केरल सरकार के लिए कांटा बने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार भेज दिया गया, जबकि मणिपुर और मिजोरम को राजभवन में नए चेहरे मिले। हालांकि रवि, जिनका तमिलनाडु में बने रहना बहुत पहले ही नामुनासिब हो चला था, इस कवायद से अछूते रहे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Two museums and a visitor

THE best new year gift you could give to yourself is to keep company with Bhupen Khakhar,

J Swaminathan and KG Subramanyan. The absolutely fantastic part is you don't have to share them with anyone. A Ramachandran loiters somewhere in the back. The brilliant Nalini Malani is immersed in her own world, so you don't have to wonder about an invasion of privacy — watch where she's hung, take a step back, gaze at her from all angles, including from the back.

You'll find that all the oils on canvas are stuck on a piece of cardboard hung with twine on the wall. You feel the temptation slithering across the back of your spine, of wanting to do what you shouldn't but you know you can. You must push it away.

It's time to move on to the next modern master in the next gallery at the Museum of Fine Arts at Panjab University in Chandigarh. "How to steal a painting and get away with it" could easily be the subject of this column — except not. It's all too precious. Also, perhaps, there's something charming in the fact that most of the world has forgotten that these works even exist — they are certainly on no website — so when you come upon them in this serendipitous way, the thought crosses your mind. Yes, this could be your very own, private space where on special occasions like the new year you could break open a samosa or two. After all, Bhupen Khakhar's work that's hanging on the front wall is called 'Breakfast in Kasauli'. Foodies would certainly applaud.There's more. This building was designed by BP Mathur, an architect who worked with Pierre Jeanneret, the main architect-planner of the university. The collection of contemporary masters in the museum, about 1,200 artworks, was curated by none other than Chandigarh's beloved son and internationally acclaimed art historian, BN Goswamy, who wrote a much-read column for The Tribune until he passed away a year ago. Moreover, I am now a card-carrying member of the City Beautiful. I realise I am in the presence of both History and Culture, both H & C capitalised.

Kulwinder strides in. His angry movements disturb the cold air of the gallery — so far it's been just me and the masters. Ramachandran's brooding painting of monks in a church seems like it's part of the Andrei Rublyev school. The attendant, who prefers warming her hands on the heater in the reception area, tells me, "Bahut log aate hain museum main", at least 10-12 every day. I ask Kulwinder if there is a guide. I don't know, he replies sternly, "main technical se hoon".

If Chandigarh is what Delhi was 40 years ago, then you can well imagine its museums — hidden jewels encrusted by sarkari indifference. The Government Museum and Art Gallery in Sector 10, designed by Le Corbusier himself, has that gorgeous wooden door that turns on a single pivot — you also see this large door in the conjoined Haryana-Punjab Legislative Assembly space that Corbu designed at one end of the Capitol Complex, itself a magnificent plaza that should have been teeming with happy people and moongphali-wallahs in the winter but has, instead, been turned into an exclusive zone in the name of security, which means only VVIPs and registered visitors have access — but the real experience begins when you go through the Corbu door into the Government Museum.The only available brochures are in French. (Corbusier was Swiss-French, so those folks come, it seems.) The English ones "are finished". The guide — her name is Geetanjali — walks up the ramp with me. On one wall hangs a gorgeous rope installation by Mrinal Mukherjee, except the bottom is frayed. You reach the first floor and are immediately stunned by the bronzes, the Sanghol excavations, the Gandhara sculptures and the Pahari paintings in the rooms beyond. Seems MS Randhawa, widely acknowledged as Chandigarh's First Citizen, scoured the estates of the small princelings soon after Independence and requested them to part with their treasures so they could become the heart of the Art Museum. And that's how BNG — as all of North India lovingly called BN Goswamy — revolutionised our understanding of our own heritage.

Echoes of the Shikra, the tiny bird with a lion's heart

Shikras are found everywhere — from gardens in urban centres like Delhi and Bengaluru to rural countryside, and even open forests.

I heard them for the first time on the day lockdowns began. As the world around me went silent, I had the time and the mindspace to listen to bird notes. The call of the Shikra can be quite dramatic if you hear it in silent woods. The loud 'Kekey keee' almost echoes off the tree stumps and shakes the dew off the leaves. The Shikra is a small bird of prey, one of the smallest, but with a big heart and a lot of courage, as I was to discover through the six months I spent on our farm during the lockdowns. A female Shikra is a little smaller than a house crow, but built like a warrior. Her back is rusty grey, and her belly is barred in rufous bands. Her eyes are golden yellow, the same colour as her legs. Among raptors, the females are larger than the males. A male Shikra is smaller and has a steel-grey back and barring similar to the female, but his eyes are blood red, almost demonic.Lockdowns were hard, even on a farm. My family and I were fortunate to be on a farm and hence able to wander outside the house a little. The real stress was not about being locked inside, but the anxiety of not knowing what would happen. I spent the first day thinking about it and wondering how to keep myself occupied. And just then, the Shikra answered my question.I heard their call coming from a Dalbergia tree that stood not far from our balcony. I had seen lots of Shikras over the years, but this call felt different. When I peered closely, I realised why: a female was sitting in a nest built with a ragtag bunch of sticks where two branches stuck out of the main trunk. The moment I saw her, I knew she was sitting on eggs. The call I heard was the male calling from a nearby tree. He had brought a freshly killed garden lizard. The female responded to his call and left the nest to eat the food he had brought. He passed the bloodied carcass to her on the nearby Neem tree and flew to the nest. At first, I thought he would take a turn incubating the eggs, but no — he just peeped in, made sure all was okay, and flew away. The female tore the flesh from the lizard's carcass until nothing was left — not even claws, skin, or scales. That was when I knew I wanted to know everything about the Shikra pair.

Shikras are very successful birds across the Indian subcontinent. They are found everywhere — from gardens in urban centres like Delhi and Bengaluru to rural countryside, and even open forests. They don't occur in the very deep rainforests, the high mountains, or the driest deserts, but other than that, they can be found everywhere. Still, I could hardly find anything to read about a nesting pair of Shikras.

I started watching the nest for a few hours every day. Covid-19 spread across the country, and my thoughts went deeper into the life of the Shikra. I believed it was not healthy to delve too much into something as grim as a global influenza pandemic.

The first 'discovery' I made was that the female spent over 95 per cent of her time incubating the eggs in the nest. The rest she spent eating the food the male brought for her. It was a finding that made me uncomfortable. I did not want to talk about it with my others on the farm. It would only reinforce the stereotypes about the place of females in society.

The male was a good hunter. He brought a lizard, a squirrel, or a little bird every waking hour of the day. I named him Sheru. I thought that was a good name for a proficient hunter like him.Just when I thought the Shikras were settling into a domestic life, where the female looked after the little nestlings and the male provided for them, my perception of their life changed.A large eagle — a crested serpent eagle — made an appearance against the bright blue sky on the horizon. It was mid-morning, and the summer sun was creating upward drafts of hot air rising from the black cotton soil of the ploughed farms. This is the eagle's forte. Like a fighter jet, this sky belonged to the eagle.Sheru saw the eagle first. He flew to the top of a banyan tree and called his trademark 'Kekey keee', but this one had a different ring to it. In a split second, there was a response — a loud response from the nest. The female, a good 20 per cent larger than Sheru, rose out of the Dalbergia tree, gave a war cry of a call, flapped her wings, and blocked the sun in my eyes for a moment. Sheru followed her. The female did not wait for him; she was directly in between the eagle and the nest. Sheru joined her, and they were a team. Pound for pound, the eagle was bigger than the two of them together, and yet it chose to steer clear.She, the Shikra, flew around for a couple of minutes and then returned to her nest to incubate the eggs while Sheru went on patrolling for longer and then headed to a wooded grove to hunt again.An image of Shikra domesticity had taken form in my mind, and now it was broken. I felt free.

Policing integrity

Punjab, Haryana act against corrupt cops

CORRUPTION and negligence in law enforcement have long eroded public trust and the rule of law. Recent actions by Punjab and Haryana to hold errant officers accountable mark a pivotal step towards restoring faith in police institutions. Punjab's dismissal of DSP Gursher Singh Sandhu for facilitating an in-custody interview with gangster Lawrence Bishnoi underscores a zero-tolerance stance. By providing a "studio-like facility" for a criminal, Sandhu not only glorified crime but also risked enabling further illegal activity. The Punjab and Haryana High Court had rightly condemned the incident, prompting the state government to act decisively. Similarly, Haryana's termination of nine police personnel for negligence in a triple murder case highlights an equally resolute approach. The Yamunanagar Superintendent of Police has sent a strong message that complacency in law enforcement will not be tolerated.

These dismissals, however, point to a larger issue: systemic corruption within the police force. In Punjab, over 30 police officers have been arrested for graft in the past two years. Haryana's record is equally troubling — nearly one-third of the 104 trap cases initiated by the state Anti-Corruption Bureau last year involved police personnel. Such widespread misconduct tarnishes the credibility of the entire institution.

A systemic overhaul is vital to prevent further breaches of ethics and responsibility. Strengthening accountability mechanisms, ensuring transparent internal investigations and instituting independent oversight are critical. The emphasis on zero tolerance must extend to higher ranks, leaving no room for impunity. Public perception of the police hinges on integrity and discipline. While the recent actions in Punjab and Haryana are commendable, they must evolve into sustained reforms. Only then can law enforcement reclaim its role as a pillar of justice and rebuild its image in the eyes of the public.

Supreme Court must review its order on credit cards

Setting aside the 30 per cent cap on interest rates has severely hurt the interests of millions of credit card users in the country

The recent verdict of the Supreme Court, setting aside the 30 per cent cap on credit card interest rates imposed by the apex consumer court in 2008, has severely hurt the interests of millions of credit card users in the country, in more ways than one.

First of all, the clear message from the top court was that credit card companies were at liberty to charge any rate of interest on card dues. It said, "The mere inflation in the rates of interest cannot be construed as a practice intended to cause loss or injury." The credit card companies are at present charging a whopping 42-53 per cent per annum on dues, besides penalties on late payment.

Second, it gave a clean chit to credit card companies on their contracts and disclosures, by observing that "the banks have in no manner made any misrepresentation to deceive the credit card holders" and, therefore, cannot be accused of unfair trade practices.Third, in one stroke, it curtailed the power of the highest consumer commission vis-a-vis banking services. "A policy decision pertaining to the rate of interest and trade practices carried out by the banks across the country is a regulatory function within the specific statutory domain of the Reserve Bank of India (RBI) and cannot come under the purview of judicial scrutiny by the National Commission," the Supreme Court said (HSBC vs Awaz, December 20, 2024).

Not just consumer justice, but also the Directive Principles of State Policy enshrined in the Constitution required that the court take into consideration the ground realities, including the usurious rates of interest being charged by banks on credit card dues, and the harm caused to consumers as a result. It was also important to take into account how credit card companies and online marketplaces are together pushing consumers into buying more and spending more, with a number of incentives such as 'buy now, pay later' offers and instalment schemes, resulting in consumers spending beyond their means.Today, with cards 'saved' on e-commerce sites, it is so easy to buy goods anytime and anywhere that consumers are becoming habituated to spending via cards; rather, they are becoming compulsive shoppers. In the absence of consumer education and financial literacy, it is easy in these circumstances for the consumers to fall into a debt trap. Unable to cope with such a situation, many youngsters are today suffering from depression, at times leading to suicides.The result can be seen in the increasing rates of defaults. As of June 2024, credit card outstanding dues amounted to about Rs 2.7 lakh crore, up from Rs 2.6 lakh crore in March 2024 and more than Rs 2 lakh crore in March 2023. Similarly, credit card NPAs (non-performing assets) grew by 136 per cent in June 2024 when compared with March 2020.A poignant letter written by a consumer on a website describes this situation best — he says he has a debt of Rs 10 lakh on his credit card, half of which is interest and charges. He has been paying 90 per cent of his salary towards repayment but is unable to wipe out the debt. "Unable to cope, thoughts of suicide are constantly running in my mind," he says.Such cases are many and are increasing. In February last year, a couple in Hyderabad committed suicide, unable to pay their credit card dues. As of October 2024, the number of active credit cards in the country stood at more than 100 million.The situation vis-a-vis credit cards today is very different from what it was when the National Commission gave its judgment 16 years ago — and there is an urgent need to take a fresh look at all these factors and prevent a whole generation of Indians from becoming compulsive shoppers, incurring huge debts.Given this scenario, the Supreme Court had a responsibility to nudge the regulator to take immediate steps to reverse these trends before it was too late. It was an opportunity lost.

Certainly, fixing a maximum limit requires detailed inputs from all stakeholders and experts and the apex court could well have asked the regulator to constitute a committee and examine the issue in depth, and come up with adequate measures to protect consumers, without adversely affecting the credit card business. That would have also brought about transparency in the way the banks calculate the rate of interest. Unfortunately, this was not done.

However, it is not too late — the apex court must review its order and the Union Ministry of Consumer Affairs should file a curative petition. Consumers, in turn, should remind the RBI that it has to take their interest too into consideration while formulating policies vis-a-vis credit cards.

'Venture capital-backed companies surpass $50 bn in public market cap'

BENGALURU. The country's start-up ecosystem is increasingly becoming driving force behind the country's economic progress, with VC-backed companies crossing $50 billion in public market capitalisation, said Shekhar Kirani, Partner at Accel.

He said Indian founders have built resilient and enduring businesses which have been embraced by public markets. Global VC firm Accel, which raised a $650 million early-stage fund, on Monday said it will focus on sectors including AI, consumer, fintech and manufacturing.Accel's early-stage scaling program, Accel Atoms, has supported 36 start-ups that have collectively raised $200 million. In past two years, the firm has invested in 27 AI start-ups in India or by Indian-origin founders. Accel, operates in India since 2008, has invested in firms including BookMyShow, Flipkart, Freshworks, Cure.fit, Mensa Brands, Myntra, Swiggy and Urban Company, among others.

"Over the next decade, we are poised to add more to our GDP than we have in our economic history. The surface area of the opportunity for Indian founders to build and scale businesses that deliver large-scale impact is huge," said Prayank Swaroop, Partner at Accel.

Telcos may report 5-6.5% QoQ rise in ARPU in Q3

NEW DELHI. Telecom service providers are expected to report a 5-6.5% quarter-on-quarter (QoQ) increase in average revenue per user (ARPU) in their Q3FY25 results, according to a report by Centrum. The report suggests that the impact of SIM consolidation, which followed the tariff hike, is expected to subside by the third quarter of FY25."The three telecom operators are expected to report a 5-6.5% QoQ increase in ARPU, led by the July 2024 tariff hike," the report states. The tariff hike reflects a shift in focus towards enhancing ARPU to improve the overall return on capital employed (ROCE).

Rising digital penetration and widespread adoption of 4G services are expected to support performance of internet-based companies. Among the top players, Jio is anticipated to lose around 2 million subscribers QoQ, while Bharti Airtel is expected to gain nearly 3 million subscribers over the same period. Vodafone Idea (VIL) is projected to lose nearly 4 million customers QoQ, highlighting its continued struggle to retain its subscriber base.

As per the report, both Jio and Airtel have been aggressively expanding their 5G networks across India. Any updates on their progress in 5G implementation will be monitored by investors. Investors and industry experts will be keenly watching Q3 results, mainly to gauge impact of tariff hike, users dynamics, and updates on 5G expansion plans.

RBI Purchased Another 8 Tonnes Of Gold In Nov As Safe-Haven Asset

Mumbai. The Reserve Bank of India (RBI) bought another eight tonnes of gold in November 2024 as Central banks around the world continued their buying spree with a collective purchase of 53 tonnes of the precious metal during the month, according to the latest World Gold Council (WGC) report. The decline in gold prices during November, following the US election, may have provided some central banks with the added impetus to accumulate the precious metal, the report pointed out.RBI has, like other central banks, been buying gold as a safe-haven asset. The strategy of holding gold is primarily aimed at hedging against inflation and reducing foreign currency risks, especially in times of uncertainty triggered by geopolitical tensions.With the addition of eight tonnes of gold to its reserves in November, the RBI has increased its buying to 73 tonnes in the first 11 months of 2024 and its total gold holdings to 876 tonnes, maintaining its

position as the second largest buyer during the year after Poland.The People's Bank of China (PBoC) has resumed gold purchases after a six-month gap, adding five tonnes of gold to its reserves, increasing its year-to-date net purchases to 34 tonnes and its total reported gold holdings to 2,264 tonnes (5 per cent of total reserves), the report said.Meanwhile, the Monetary Authority of Singapore was the month's largest seller, reducing its gold reserves by 5 tonnes, bringing the year-to-date net sales to 7 tonnes and overall gold holdings to 223 tonnes, it added. The RBI's gold purchases have shot up by five-fold over the quantity of the precious metal bought in the same period of 2023, according to WGC figures.

According to the data, the RBI's total gold reserves have now gone up to 890 tonnes, of which 510 tonnes are held in India. According to WGC, the central banks that bought gold during the month are those of Poland adding 21 tonnes and Uzbekistan buying nine tonnes.These large purchases of gold by central banks have also been driving up prices of the precious metal in the global market. More than half of the RBI's gold reserves are held overseas in secure custody with the Bank of England and the Bank of International Settlements, while approximately a third is stored in the RBI's vaults in Nagpur and Mumbai.

Dec services PMI rises to 59.3 on high demand

While the industry has broadly welcomed the draft, experts suggest that there is still substantial work to be done to address implementation hurdles, procedural gaps, and areas of ambiguity in the Act.

MUMBAI. The purchasing managers' index (PMI) for the services sector in December 2024 rose to 59.3, up from 58.4 in November, signalling a robust growth in the sector on the back of continued demand buoyancy propelling new business inflows, higher output growth, encouraging companies to expand their workforce. This is a sharp contrast to the weakest reading for the year in the manufacturing sector at 56.4.

As per the HSBC services PMI, released on Monday, the services MPI rose to 59.3 in December marking the strongest expansion in the past four months. Underlying demand has been identified as the main driver of growth, with new orders climbing for the 41st consecutive month. Companies attributed this to efforts in expanding capacities, which in turn enabled them to handle more work.

The finance and insurance sectors led growth in the sector with the highest growth in new orders and business activity.As per Ines Lam of HSBC, services companies expressed strong optimism in December as business activity surged to a four-month high. Forward-looking indicators like new business and future activity suggest the strong performance will likely continue in near term. Easing of input price inflation in the month supported sentiment. Strength in the services PMI stands in contrast with the growing signs of a slowdown in the manufacturing industry."December saw a softer rise in input prices, despite continued reports of increased spending on food, labour, and materials. Selling price inflation also eased, though it remained above its long-run trend, Lam said."Though companies in the services space continued to see their business expenses rising in the month, rate of inflation softened from November's 15-month high," Lam said, adding consumer-focused services firms faced the highest cost pressure, while inflation was most pronounced in the transport, information, and communication categories. The rate of input cost inflation across the private sector economy softened, leading to a slower rise in prices for goods and services. But firms faced increased backlog volumes, reaching a seven-month high, indicating sustained pressure on capacities.It can be noted that manufacturing PMI in December slipped to a 12-month low at 56.4 primarily due to softer expansion rates in production and fresh business orders. A PMI reading above 50 indicates expansion, while a figure below 50 signifies contraction.

Government must shift capex focus to social sectors'

NEW DELHI. As pre-budget consultations got over on Monday, industry representatives and analysts want the government to continue its thrust on capital expenditure (capex), albeit with a shift in sectoral focus. The general view is that while the government must increase allocation to capex in the budget, it must spend more on creating social sector infrastructure liking housing, health and education.

A delegation of economists who had met the finance minister earlier in December had said the government must keep focus on capex but it needs to diversify the sectors for more positive results. "There is a limit to the benefits to be reaped from spending in roads, railways, and defence," said one of the economists on condition of anonymity. The delegation has suggested the government spend more on sectors like affordable housing. Rumki

Majumdar, economist with Deloitte, says focus should be on building physical, digital and social infrastructure.The government is expected to expand road networks, develop multi-modal logistics parks and improve logistical infra to support economic activity. At the same time, the government will focus on health and education, with a special focus on skilling," she says.As per her, recent success in driving path-breaking digital innovations will continue as the government focuses on frontier technologies to address social issues like inclusion, formalisation of economy and transparent governance.

In last year's budget, the government has allocated Rs 11.11 lakh crore for capex in FY25. The government has been slow in spending this amount. Till November, it had spent only Rs 5.13 lakh crore, 12% lower than it spent during the same period last year.

Industry body FICCI in its budget expectation has proposed that the government should raise capex in FY26 by 15%. In FY25, it has increased allocation by 11.11%. Given uncertainty amid persisting global headwinds, government's thrust on public capex on physical, social and digital infrastructure will be important to maintain growth momentum, maintains FICCI in its Budget expectation.

Budget should address ailing affordable housing market: Realty sector

NEW DELHI. The real estate sector is seeking big reforms from the upcoming Union budget for FY26 (to be tabled on Feb 1, 2025) to revive sentiments amid a decline in transaction activity.fter facing a blow in the previous budget when the government decided to do away with indexation benefits, realty players want a rise in tax exemption limit on housing loans to Rs 5 lakh, revision in affordable housing criteria and reintroduce of the Credit-Linked Subsidy Scheme under Pradhan Mantri Awas Yojana (PMAY)."For realtysector, key expectations include industry status and revival of affordable housing segment," said Anuj Puri, Chairman of ANAROCK Group. Puri explains that once a promising sector, affordable housing— homes priced under Rs 40 lakh— has struggled post-pandemic, with demand and supply shrinking significantly. As per data, sales share of affordable housing fell to 18% in 2024 from over 38% in 2019.Affordable housing requires focused attention and targeted benefits,

which have been lacking in the past two years. Tax breaks to boost supply and enable buyers are crucial, but the challenges go deeper. A critical issue remains lack of urban land, mainly in areas where affordable housing is most needed," said Puri. He added that to address this, the government could release centrally controlled land — managed by agencies like the Indian Railways, Port Trusts and the Department of Heavy Industries—for affordable housing projects.Not only affordable segment, other classes of housing market is also showing signs of slowdown due to a steep rise in property prices over past three years. Top realty players have shifted their focus on luxury segment. Pradeep Aggarwal, founder & Chairman, Signature Global said the revision of current tax exemption limit on housing loans to `5 lakh, in line with rising property prices and construction costs, could provide major relief to homebuyers."

Govt launches updated Rs 4k cr PLI scheme for steel sector

This initiative aims to attract more steel companies and investments, particularly in the specialised steel production.

NEW DELHI. The government on Monday launched a new round of steel production-linked incentive (PLI) scheme, with a total outlay of Rs 4,400 crore.This initiative aims to attract more steel companies and investments, particularly in the specialised steel production.

"We are launching steel PLI 1.1. After discussing with industry, we realised there was more capacity for specialised steel. Last year, we produced 180 million tonne of steel. India is witnessing 12-13% growth in steel demand. By 2030 we will need 300 million tonne steel," said steel secretary Sandeep Poundrik.

The last date to file applications for PLI 1.1 is January 31, 2025, and this deadline will not be extended. Notably, Rs 4,000 crore from the previous PLI 1.0 scheme remains unutilised and will be allocated to PLI 1.1.The PLI 1.0 scheme had attracted investments worth Rs 27,106 crore, creating 14,760 direct employment opportunities and producing 7.9 million tonne of specialty steel.

As of November 2024, companies have invested Rs 18,300 crore, generating more than 8,660 jobs. Poundrik outlined the key features of PLI 1.1, including the inclusion of coated and plated steel products, specialty rails, and end-to-end manufacturing.

he scheme requires an investment of Rs 3,000 crore, capacity creation of 50,000 tonne, and year-on-year growth of 10%. The government expects PLI 1.1 to further boost country's steel production capacity, particularly in specialised steel segments.

Taiwan holds military drills amid concerns over possible defence budget cut

NEW DELHI. Taiwan began three days of military drills on Tuesday as concerns rose over potential cuts to the defence budget due to legislative wrangling between the island's two major political parties.

The drills began in the north with tank maneuvering at a base in Hsinchu featuring outmoded CM-11 tanks, which are gradually being replaced by newly purchased Abrams M1A2T from the US.

The replacement marks a huge upgrade despite some complaints over the weight of the new tanks and their likely effectiveness at preventing a possible Chinese landing.Troops arrived on armoured personnel carriers, while Apache and S-70 helicopters whirled overhead, providing reconnaissance and covering fire. With the equipment Taiwan currently operates, the communication officer is on the ground to coordinate airborne attacks, said Army Captain Chuang Yuan-cheng of the 542 Armored Brigade in Hsinchu county just south of the capital of Taipei. That allows them to guide the helicopters so that ground fire and airborne fire are synchronised, Chuang said.On Wednesday, the army will show off its Patriot III anti-missile system aimed at countering one of China's most potent weapons against the island of

23 million.And on Thursday, anti-submarine exercises will be held off of Taiwan's largest port of Kaohsiung, considered China's best conduit for resupplying its troops should it establish a beachhead in the heavily defended region.The annual drills are held in the run-up to the Lunar New Year holiday to reassure the population of Taiwan's ability to meet China's threats and to boost recruitment. Taiwan has a backlog of orders from the US for about $20 billion in weapons systems, while it upgrades its M-16 fighters and develops its own submarines. It has also extended compulsory military service to one year.However, the government has warned that new legal amendments being considered could force a 28 per cent cut in the defence budget by altering the way funds are distributed between the central and local governments.

That in turn could reduce the willingness of the US and its allies such as Japan and the Philippines to assist Taiwan in the event of an armed clash with China, National Security Council Secretary-General Joseph Wu told legislators last month.

The legislation is being pushed by the main opposition Nationalist Party, which has joined with the tiny Taiwan People's Party to oppose the ruling Democratic Progressive Party's legislative agenda.

Taiwan currently spends about 2.4 per cent of its GDP, or roughly $20 billion, on the military annually.

China has responded furiously to all US arms sales to Taiwan, saying unification with the island is inevitable and warning that Washington is playing with fire.However, apart from regularly sending planes and warships into areas near the island, it has done little more than blacklist companies and executives involved in the production and sales of such equipment.

Neither military intimidation, economic coercion nor appeals to their common Chinese ancestry seem to be working on Taiwan's population, the vast majority of whom favour the current status of de-facto independence.

95 dead, 130 injured after multiple earthquakes in Tibet; tremors felt in India

Tremors were felt in Delhi-NCR and many parts of North India on Tuesday following a 7.1 magnitude earthquake in Tibet, near the Nepal border.

NEW DELHI. At least 95 people were killed and more than 130 injured as six earthquakes, including a powerful one measuring 7.1 on the Richter scale, rocked Tibet in one hour on Tuesday. The earthquakes shook buildings in many areas in India, Nepal and Bhutan.News agency Reuters, citing local media, reported that at least 95 people were killed in the Shigatse region of Tibet in the earthquake. China's state media said that 130 others were injured.Several buildings also collapsed near the epicentre, according to Chinese media. "Dingri county and its surrounding areas experienced very strong tremors, and many buildings near the epicentre have collapsed," Chinese state broadcaster CCTV said.

Shigatse is home to 800,000 people and the traditional seat of the Panchen Lama, one of the most important figures in Tibetan Buddhism.Strong tremors were felt in Delhi-NCR and various parts of North India, including Bihar's capital Patna and multiple locations in the northern part of the state. The earthquake was also felt in West Bengal and the northeastern states, including Assam.

In Nepal's capital Kathmandu, residents reportedly ran out of their houses after strong tremors. The country's disaster management authority said the tremors were felt in seven hill districts bordering Tibet."I was sleeping. The bed was shaking, and I thought my child was moving the bed. I didn't pay that much attention, but the shaking of the window confirmed to me that it was an earthquake. I then hurriedly called my child and evacuated the house and went to the open ground," Meera Adhikari, a resident of Kathmandu, told news agency ANI.

According to the National Centre for Seismology, the first 7.1 magnitude earthquake struck Xizang, near the Nepal-Tibet border, at 6:35 am. This intensity is considered strong and is capable of causing severe damage. Chinese officials recorded the magnitude at 6.8 in Shigatse city, Tibet's second-largest city.Two aftershocks of 4.7 and 4.9 intensity were reported from the same Xizang area.

The epicentre was located where the India and Eurasia plates clash and cause uplifts in the Himalayan mountains strong enough to change the heights of some of the world's tallest peaks.According to China's state broadcaster CCTV, there have been 29 earthquakes with magnitudes of 3 or higher within 200 km of Shigatse city in the past five years, all of which were smaller than the one that struck on Tuesday morning.

Be alert on HMPV: Govt urges hospitals to improve preparedness

However, authorities assured the public that the situation in the country is under control

NEW DELHI. Five years after COVID-19 overwhelmed global healthcare systems, a new flu-like illness, Human Metapneumovirus (HMPV), has recently gained attention following its outbreak in China. However, Indian authorities reassured the public on Monday that the situation in the country is under control, with no reported cases of the virus so far.

Director-General of Health Services (DGHS) Dr. Atul Goel emphasized that there is no need to panic. "HMPV is similar to other respiratory viruses that cause flu-like symptoms, primarily affecting the elderly and children," he said.

"Respiratory illnesses are common during winters, and our hospitals are well-equipped to handle them," he added.The outbreak in China has seen a surge, particularly among vulnerable groups, leading to comparisons with COVID-19.Dr. Goel, however, dismissed fears of a similar scenario in India. "We have thoroughly analyzed respiratory illness data, including December 2024 trends, and found no significant rise in cases. The Indian Council of Medical Research (ICMR) confirms that there is no widespread outbreak in any part of the country," he said.

He further advised people to follow general hygiene practices to curb the spread of the virus."Take general precautions we use against all respiratory infections. People with cough and cold should avoid crowded places to prevent transmission. Use a separate handkerchief or towel for sneezing and coughing, and take basic medicines for cold or fever if needed," he said.

Meanwhile, the Delhi government on Monday directed all hospitals in the capital to remain fully prepared to manage a potential surge.In a directive marked "Most Urgent," Delhi Health Minister Saurabh Bharadwaj instructed the health and family welfare department to closely monitor the situation and remain in constant touch with the Union health ministry for timely updates.

"Hospitals under the Delhi government must be fully equipped to handle any potential increase in respiratory illnesses, as advised by the Union health ministry," the directive stated.

The health secretary has been tasked with inspecting three government hospitals daily and submitting detailed reports on key parameters such as the availability of medicines as per the essential drug list, ICU beds, and the operational status of PSA oxygen plants and radiological equipment.

HMPV not a new virus, but caution necessary: Experts

NEW DELHI. Amid the Human Metapneumovirus (HMPV) scare, health experts have urged people not to panic, noting that the virus has been circulating globally for decades and is not a new threat.Specialists emphasized that the situation in India remains under control, with no confirmed reports linking the cases to the strain in China.Dr. Sumit Chakravarty, Associate Director of Paediatrics & Neonatology at Asian Hospital, said that HMPV is an old virus known to cause mild infections, often manifesting as a cold or flu-like illness. "In the past, it has been associated with pneumonia in children, but in most cases, the infection remains minor," he said.

However, Chakravarty stressed the importance of further studies to shed light on the potential for different strains circulating in India.Dr. Satish Koul, Senior Director of Internal Medicine at Fortis Memorial Research Institute, clarified that HMPV has been in circulation for many years and is most prevalent during the winter months.

"The symptoms are very similar to the common flu. However, only a doctor can differentiate between flu and HMPV infection," he said.While no vaccine exists for HMPV and no definitive treatment has been established, experts recommend symptomatic care.

In terms of prevention, experts noted that the virus spreads through respiratory droplets. Simple hygiene practices, such as wearing masks and washing hands regularly, can reduce transmission.

Ajay Digpaul and Harish Vaidyanathan Shankar appointed judges of Delhi High Court

NEW DELHI. Two advocates Ajay Digpaul and Harish Vaidyanathan Shankar were appointed as judges of the Delhi High Court on Monday. Ashish Naithani, a judicial officer, was also appointed as a judge of the Uttarakhand High Court.Union Minister of State for Law and Justice and Parliamentary Affairs, Arjun Ram Meghwal, took to the micro-blogging site X (formerly known as Twitter) to announce the decision. "In exercise of the power conferred by the Constitution of India, the President of India, after consultation with the Chief Justice of India, is pleased to appoint the following as judges," he posted, adding, "I convey my best wishes to them."

The three-member panel of the Supreme Court Collegium

consisting of Chief Justice DY Chandrachud (now retired) and Justices Sanjiv Khanna and BR Gavai — had, on August 21 last year, recommended the names of Digpaul and Shankar, along with advocate Shwetasree Majumder, for elevation as judges of the Delhi High Court.

Prior to that, on October 25, 2023, the Chief Justice of Delhi High Court, in consultation with two of his seniormost colleagues, had recommended the names of the three advocates for elevation as judges."In order to ascertain the fitness and suitability of these advocates for elevation to the High Court, we have consulted our colleague conversant with the affairs of the Delhi High Court. To assess the merit and suitability of the candidates for elevation, we have scrutinized and evaluated the material placed on record. We have also perused the observations made by the Department of Justice in the file," the Supreme Court Collegium's resolution said.

The three-member panel of the Supreme Court Collegium consisting of Chief Justice DY Chandrachud (now retired) and Justices Sanjiv Khanna and BR Gavai had, on August 21 last year, recommended Digpaul and Shankar, along with advocate Shwetasree Majumder, for elevation as judges of the Delhi High Court.

Rape convict Asaram Bapu gets interim bail on medical grounds

NEW DELHI. Godman Asaram Bapu, who is serving a life sentence in a 2013 rape case, has been granted interim bail by the Supreme Court on medical grounds till March 31. The Supreme Court directed the 86-year-old godman not to tamper with evidence and meet his followers after his release.A bench of Justices MM Sundresh and Rajesh Bindal noted that Asaram Bapu was suffering from various age-related health conditions besides a heart ailment. Bapu is currently undergoing treatment at the Arogya Medical Centre in Jodhpur. He has been serving his sentence in Jodhpur Central Jail.

The godman is a heart patient and has previously suffered a heart attack. The Supreme Court has directed that security personnel be deployed during the period of his bail to ensure supervision.

Asaram Bapu was convicted by a Jodhpur court and sentenced to life imprisonment for raping a teen girl in his ashram.

In 2023, he was convicted by a Gujarat court for raping a woman disciple on several occasions at his ashram in 2013.

The godman has been granted paroles periodically to visit Pune, where he has been undergoing treatment.The Supreme Court relief for Bapu comes days after he was granted parole for 17 days on December 18 last month. He returned to Jodhpur jail on January 1.

He was also granted parole for seven days by the Rajasthan High Court for medical treatment in August last year.The godman, in his petition, said his health was precarious and "rapidly deteriorating". Bapu also said that he had already served 11 years of imprisonment, and "suffered a series of heart attacks". In February 2024, he was rushed to AIIMS Jodhpur after experiencing severe chest pain.

Delhi BJP alleges CM's bungalow cost inflated to Rs 75-80 crore, claims corruption

NEW DELHI. Delhi BJP on Monday alleged that the construction cost of the Chief Minister's bungalow, listed at Rs 33.66 crore, is only a small figure, and the actual cost is beyond estimation. The opposition party stated that to estimate the true cost of the bungalow, an audit of several departments' accounts is required, along with the inventory created by PWD on October 11, 2024. This, they claimed, would reveal that Kejriwal's residence was constructed illegally at a cost of approximately Rs 75-80 crore."Ignoring all regulations, the then CM and officials raised the cost from Rs 7.91 crore to Rs 8.62 crore, and later inflated it by 342% to Rs 33.66 crore, as reflected in the documents presented to the CAG. To get an accurate figure, the inventory created for Arvind Kejriwal's bungalow, which has never been presented to the CAG, must be included," said Delhi BJP President Virendra Sachdeva on Monday.

He added that the first clear revelation from the CAG report regarding the Sheesh Mahal is that, under Kejriwal's government, PWD, which should function as a government agency, operated like a private institution for the CM. "It is worth noting that the way PWD officials broke every rule and law to construct this Sheesh Mahal makes it clear that this is a case of corruption based on a 'give and take' arrangement. It is certain that the Chief Minister and relevant ministers must have turned a blind eye to several corruption instances involving officers in this manner," he said.He also mentioned that the initial estimate for additions and alterations to the bungalow was Rs 7.91 crore. The PWD inexplicably declared this an emergency project and issued the work order on September 1, 2020, while the rest of the population was struggling with the impact of COVID-19, with employment stalled.

Delhi-bound Air India flight makes emergency landing after engine glitch

NEW DELHI. A Delhi-bound Air India flight made an emergency landing on Sunday after one of its engines shut down midair, according to airport sources.Flight 2820 took off from Kempegowda International Airport in Bengaluru at around 7 pm but returned an hour later after circling the city."It happened the day before yesterday. We don't have the technical details, but the flight made an emergency landing," PTI quoted a source as saying.

The flight landed safely without any incidents, and all passengers were unharmed. The cause of the engine failure is yet to be ascertained.

In another such incident, a Turkish Airlines flight travelling from Istanbul to Colombo was diverted to Thiruvananthapuram International Airport on Tuesday due to adverse weather conditions in Sri Lanka's capital.The flight, with 299 passengers and 10 crew members, landed at 6.51 am. All passengers and crew are safe, and they will resume their journey to Colombo once the weather improves.

Where Is Atul Subhash's Son? Nikita Singhania's Lawyer Replies In Top Court

Thirty-four-year-old Atul Subhash died by suicide in December after accusing Nikita and her family members of harassing him and his parents by filing false cases against them

New Delhi. Ending weeks of suspense over the whereabouts of AI techie Atul Subhash's four-year-son, his estranged wife Nikita Singhania told the Supreme Court today that the child is at a boarding school in Haryana's Faridabad. Nikita's lawyer added that the child would be taken to Bengaluru where he can stay with his mother.Thirty-four-year-old Atul Subhash died by suicide in December after accusing Nikita and her family members of harassing him and his parents by filing false cases against them. Nikita, her mother Nisha, and her brother Anurag are facing an abetment to suicide case and are currently out on bail.

Atul's mother Anju Devi has approached the Supreme Court, seeking custody of her grandson. Nikita's lawyer told the court today that the four-year-old had been enrolled in a Faridabad boarding school and was there during her mother's arrest and subsequent bail. The child will, however, need to be shifted to Bengaluru because Nikita needs to be there as per the conditions of her bail."We will take the child to Bengaluru. We have taken the boy out of school. The mother has to remain in Bengaluru to fulfill bail conditions," her lawyer told the bench of Justice BV Nagarathna and Justice N Kotiswar Singh.

The bench then directed that the child must be produced in court in the next hearing.The lawyer representing Anju Devi told the court that as the grandmother, she should be given custody of the child. The lawyer said a child below six should not be sent to a boarding school.

The bench also noted that the child has barely spent time with his grandmother. "Sorry to say but the child is a stranger to the petitioner," Justice Nagaratna remarked. Anju Devi's lawyer said they have pictures of the grandmother interacting with the child when he was two years old. Atul and Nikita married in 2019 and had a son the next year. In 2021, Nikita left their Bengaluru home after an altercation and in 2022, she filed a case against Atul and his family members. The court also stressed that Nikita Singhania is yet to be proven guilty and that it can't decide the matter based on a "media trial".The bench said that the issue of the child's custody will have to be taken up in the appropriate court where the trial is on. The next hearing on the matter is on January 20.Atul Subhash died by suicide at his Bengaluru flat on December 9. In an 81-minute video and a 24-page suicide note, the techie accused Nikita and his family members of filing false cases against him and his parents to extort money from them. He also alleged that the justice.

NEWS BOX

One killed, one injured in shooting at Honduran consulate near Atlanta

World A shooting Monday at the Honduran consulate just outside Atlanta left one person dead and another injured, and a suspect was in custody, authorities said.The person who was killed was a Mexican citizen who worked as a security guard at the consulate, the Mexican Foreign Affairs secretary said in a statement posted on the social platform X.

Doraville police responded to a report of gunshots around 2:30 p.m. and found two people who had been shot, city spokesperson Emily Heenan said. One of the people was declared dead at the scene and the other was taken to a hospital for treatment, she said.

A suspect was taken into custody at the scene and was taken to the Doraville police station for questioning, Heenan said. She did not provide any information about a possible motive for the shooting.The shooting happened right outside the front entrance of the consulate, Heenan said. Officers remained at the scene to interview witnesses and gather evidence.

Heenan said she couldn't release any more information about the victims or the suspected shooter because police were still in the process of contacting family members.The Mexican government has offered help to local authorities and the family of the Mexican citizen and asked for a transparent investigation.

Strong earthquake hits Kathmandu

KATHMANDU. A strong earthquake jolted Kathmandu early morning on Tuesday.

he earthquake measuring 7 magnitude on the Richter scale was recorded by the National Earthquake Measurement Centre at 6:50 am.The epicentre of the earthquake was Dinggye, China, according to the centre. The earthquake was felt in neighbouring Kavrepalanchwok and Dhading districts as well.

People came out of their houses out of panic in Kathmandu.However, there are no reports of any damage so far due to the earthquake.

Who Is Sachit Mehra, The Indo-Canadian President Of Trudeau's Liberal Party

World Sachit Mehra, the Indo-Canadian businessman who is the President of Canada's ruling Liberal Party, has been tasked with electing the new party leader after Prime Minister Justin Trudeau announced his resignation on Monday.

Mr Mehra, who secured the position by defeating former party president Mira Ahmad in 2023, has confirmed the contest will kick off this week.

Who is Sachit Mehra?

Sachit Mehra's connection to India runs deep through his family roots. His father, Kamal Mehra, moved from New Delhi to Canada in the 1960s, and the family's heritage is reflected in their business. They own the East India Company Restaurants, with locations in Winnipeg and Ottawa.

Having been part of the business since 1994, he has taken a hands-on role in managing the restaurant operations. He's been involved in community-building initiatives, business management and politics.Mr Mehra describes himself as a “proud Liberal member, and volunteer from the prairies for over 32 years.”

How Sachit Mehra's role is crucial

The position of president is crucial for the Liberal Party's internal structure and electoral preparedness.

As the head of the party's national board of directors, Mr Mehra is tasked with boosting membership, overseeing fundraising efforts and ensuring the party remains election-ready.After winning three consecutive general elections, the party faces a tall task of maintaining a support base amid growing competition from other political factions.Sachit Mehra's professional background

Beyond his political role, Sachit Mehra is a businessman with nearly three decades of experience. As the manager and owner of the East India Company Restaurants, he has been involved in business development to daily operations. According to his LinkedIn profile, he has been a part of the restaurant business since May 1994.

Homes Talk And Tables Walk At AI Dominated Consumer Electronics Show 2025

Las Vegas. Home appliances that do chores, cars that know your favorite cafe, and robot pets aiming to please are among artificial intelligence-infused offerings at the Consumer Electronics Show opening Tuesday.All these will compete for attention at the annual CES extravaganza in Las Vegas, as vendors behind the scenes seek ways to deal with tariffs threatened by US President-elect Donald Trump.

I is once again a major theme of the show, along with autonomous vehicles ranging from tractors and boats to lawn mowers and golf club trollies.

South Korean consumer electronics giant LG kicked off a media day Monday by outlining a vision for "Affectionate Intelligence" in which home appliances watch over people - from tracking how well they sleep to making sure they remember umbrellas when rain is in the forecast."At LG, we're seamlessly integrating AI into physical living spaces around us," said chief executive William Cho.

"We see space not merely as a physical location but as an environment where holistic experiences come to life - across the Home, Mobility, Commercial and even Virtual spaces."Before the show floor even opened, vendors enticed visitors with electric roller skates, hologram booths for life-size remote collaboration, and even a robot that looked like a lamp affixed to the top of a walking table.

53 killed, 62 injured in Tibet Earthquake; tremors felt in Kathmandu, parts of North India

World At least 53 were killed and 62 injured as a strong earthquake struck the Tibet region on Tuesday morning. According to Chinese media, the earthquake led to the collapse of many buildings in Tibet with tremours felt in neighbouring Nepal's capital Kathmandu and northern parts of India.

According to the China Earthquake Networks Center (CENC), the quake struck Dingri county with a magnitude of 6.8 near the border with Nepal at 6:35 am.

Tremors were also strongly felt in Bihar where people has been reportedly seen running outside their houses and apartments. However, no damage to properties has been reported.According to the Bihar Disaster Management Department, tremors were felt in Patna, Madhubani, Sheohar, Munger, Samastipur, Muzaffarpur, Katihar, Darbhanga, West Champaran, East Champaran and several other districts along the India-Nepal border.People in Katihar, Purnea, Sheohar, Darbhanga and Samastipur also came out on the streets when the quake took place.

The National Centre for Seismology (NCS) reported that the earthquake was recorded at 6:35 am and also revealed that two more earthquakes hit the region shortly after the first one. While the second earthquake of magnitude 4.7 was recorded at 7:02 am at a depth of 10 km, the third earthquake of magnitude 4.9 at 7:07 am was recorded at a depth of 30 km. Disaster relief aid, including cotton tents, quilts and items for high-altitude and frigid areas, had been dispatched by central authorities to areas impacted by the quake, Xinhua said.

The high-altitude county in the Tibet region is home to around 62,000 people and situated on the Chinese side of Mount Everest.

While earthquakes are common in the region, Tuesday's quake was the most powerful recorded within a 200-kilometre radius in the last five years, the CENC added.

Nepal lies on a major geological faultline where the Indian tectonic plate pushes up into the Eurasian plate, forming the Himalayas, and arthquakes are a regular occurrence.Chinese President Xi Jinping on Tuesday emphasised "the full-scale search and rescue efforts, minimizing casualties to the greatest extent possible, properly resettling affected residents, and ensuring their safety and warmth through

the winter", state broadcaster CCTV said.

About 1,500 fire and rescue workers were deployed to search for people in the rubble, the Ministry of Emergency Management said.

Shook quite strongly

Many people came out of their houses due to panic in Kathmandu as people witnessed the trees and electric wires on the streets shaking for some time.At least half a dozen tremors with magnitude ranging from 4 to 5 were also recorded within a time span of an hour around 7 am, according to the USGS report.The tremor was strong enough to terrorise people in Nepal, who recalled the 2015 great earthquake that killed 9,000 people.However, a Nepal Police spokesperson says that so far they have not received any information regarding any major physical damage or human causality.As the epicentre lies in Tibet stronger tremors were felt by people living in Northern Nepal, Nepal Police spokesperson Bishwo Adhikari said."It shook quite strongly here, everyone is awake," said government official Jagat Prasad Bhusal in Nepal's Namche region, which lies nearer to Everest.

In 2015, nearly 9,000 people died and more than 22,000 were injured when a 7.8-magnitude quake struck Nepal, destroying more than half a million homes.Three people were killed and dozens injured after a 7.0-magnitude earthquake struck along the mountainous China-Kyrgyzstan border in January last year.A quake in December 2023 in northwest China killed 148 people and displaced thousands in Gansu province.That quake was China's deadliest since 2014 when more than 600 people were killed in southwestern Yunnan province.

Biden 'doing everything possible' to make transition difficult: Trump

WASHINGTON. U.S. President-elect Donald Trump has accused Joe Biden of making the presidential transition difficult, citing recent executive orders on climate and other official acts being taken by Biden in his last weeks as president.Trump, 78, is slated to be sworn in as the 47th President of the United States on January 20. He will replace Biden as the new occupant of the White House, the official residence of the U.S. President."Biden is doing everything possible to make the transition as difficult as possible, from lawfare such as has never been seen before to costly and ridiculous executive orders on the Green New Scam and other money-wasting hoaxes," Trump said in a post on Truth Social."Fear not, these 'orders' will all be terminated shortly, and we will become a nation of common sense and strength. MAGA!!!" said the president-elect.Trump issued the statement shortly before Congress certified his victory in the Electoral College, and after Biden, 82, banned drilling for oil and natural gas off most of America's coastline, with the total area covered by the order greater than the combined landmass of Alaska and Texas.

Biden announced earlier Monday that he would block new drilling off the entire East Coast, as well as in California, Oregon, and Washington state, and block some drilling off Alaska's coast in portions of the Northern Bering Sea and the eastern Gulf of Mexico.

Biden made the move just two weeks before Trump, who has promised to

promote domestic energy production, is sworn in.rump vowed to undo Biden's recent executive orders, though it is unclear if he would be able to reverse the decision to block oil drilling, as he was blocked in 2019 when he attempted to reinstate drilling in areas previously blocked off by former President Barack Obama.

Despite Trump's assertion that Biden's White House has not been helpful during the transition, his incoming chief of staff, Susie Wiles, has said otherwise.She told an interview published Monday that the White House has been helpful during the transition process."White House Chief of Staff Jeff Zients has been very helpful. He has made great suggestions, helped make sure we stay on time with required functions, helped us navigate the labyrinth that is the Executive Office of the President, and been very professional," she said.

"He introduced me to the 'former chief of staff club' and even hosted a dinner (for Wiles and the former chiefs) at his beautiful home," Wiles added.

The Trump transition team last month reached agreements on matters such as background checks for incoming officials, after uneasy Republicans noted the quartet of criminal cases lodged against Trump, which the former and future president says were politically motivated to derail his return to the White House.

Seattle police officer who fatally struck Jaahnavi Kandula fired from department

SEATTLE/LAS VEGAS. In a significant development, a Seattle police officer who killed Indian student Jaahnavi Kandula in January 2023 when the patrol vehicle he was driving struck her, has been fired from the police department, officials said.Kandula, 23, from Andhra Pradesh, was struck by a police vehicle driven by Officer Kevin Dave when she was crossing a street in Seattle on January 23, 2023.

He was driving 74 mph (more than 119 km/h) on the way to a report of a drug overdose call.andula was thrown 100 feet when she was struck by the speeding police patrol vehicle.According to a report in The Seattle Times on Monday, Interim Seattle Police Chief Sue Rahr said that she had fired Dave from the Seattle Police Department.he report, citing an email sent by Rahr to employees, said she fired Dave on Monday after the Seattle Office of Police Accountability found he had violated four department policies.

"I believe the officer did not intend to hurt anyone that night and that he was trying to get to a possible overdose victim as quickly as possible," Rahr said.

"However, I cannot accept the tragic consequences of his dangerous driving. His positive intent does not mitigate the poor decision that caused the loss of human life and brought discredit to the Seattle Police Department," the report said.The development comes months after another Seattle police officer Daniel Auderer was fired following his insensitive comments and laughter after Kandula's death.

In bodycam footage released by the Seattle Police Department, Auderer was heard laughing after the deadly crash and had remarked "Uh, I think she went up on the hood, hit the windshield, and then when he hit the brakes, flew off the car. But she is dead."

After making these comments, Auderer laughed hard for four seconds,? the department's Disciplinary Action Report said.Auderer's body-worn camera also captured him as saying that "Yeah, just write a check. Just, yeah (laughter). USD 11,000. She was 26, anyway. She had limited value."

When asked at an Office of Police Accountability interview about his comments that Kandula had 'limited value', Auderer claimed he was ridiculing the city attorneys who would be tasked with litigating a potential wrongful death lawsuit.Rahr had said in an internal email, seen by PTI, that the hurt Auderer's words inflicted on Kandula's family cannot be erased.

The actions (of) this individual police officer have brought shame on the Seattle Police Department and our entire profession, making the job of every police officer more difficult.The King County Prosecutor's Office had said that they would not move forward with criminal charges against Dave.

The Seattle City Attorney had issued a USD 5,000 traffic infraction against him, according to KomoNews.

US Congressman Suhash Subramanyam takes oath on Bhagavad Gita

WASHINGTON. Congressman Suhash Subramanyam, who is the first Indian American Congressman from the East Coast, took the oath of office on Gita, making him possibly the only lawmaker to do so on the holy Hindu book.Subramanyam's mother, who immigrated through Dulles Airport, watched her son being sworn in on the Bhagavad Gita.Tulsi Gabbard, 43, the first Hindu American to be ever elected to the US House of Representatives, was the first lawmaker to take the oath on Gita.She was first sworn on January 3, 2013, representing the second Congressional district of Hawaii as a member of the House of Representatives.Gabbard, who converted to Hinduism as a teenager, is now a nominee for the powerful position of Director of National Intelligence."My parents got to see me sworn in as the first Indian American and South Asian Congressman from Virginia," Subramanya said in a statement after his swearing in. "If you

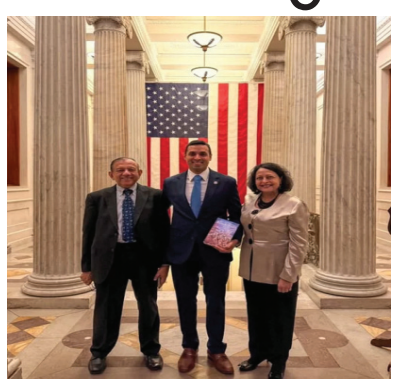

had told my mother when she landed in Dulles Airport from India that her son would go on to represent Virginia in the United States Congress, she might have not believed you, but my story is the kind of promise that America holds. I am honoured to be the first, but not the last, as I represent Virginia's 10th in Congress," he added.Subramanyam was a former policy advisor to ex-president Barack Obama, he has served in the Virginia General Assembly since first getting elected in 2019.In Richmond, Subramanyam founded the bipartisan "Commonwealth Caucus a bipartisan group of legislators focused on finding common ground.He passed landmark legislation to lower toll costs for commuters, issue refunds to overcharged consumers, combat the rise in gun violence, and ensure all students have access to top-notch education.The 119th Congress has four Hindu lawmakersThe other three being Raja Krishnamoorthi, Ro Khanna and Shri Thanedar.Hindus and Muslims are a distant third largest religious group in the US Congress.Christians with 461 members constitute the largest religious group followed by Jews with 32 members.There are three Buddhist members as well.According to Pew Research, Christians make up 87 per cent of voting members in the Senate and House of Representatives combined in the 2025-27 congressional session.

Canada's Trudeau: Liberal star who dazzled then fizzled

World The term "political rock star" has not been applied to many Canadian leaders, but when Justin Trudeau stormed into office in a 2015 landslide election, it appeared to fit.

Now, more than nine years after he initially wooed voters with a progressive agenda, Trudeau is leaving office, forced out by former Liberal party allies while being mocked by incoming US president Donald Trump."Trudeaumania" was first used to describe reaction to Trudeau's father, Pierre Elliott Trudeau, who became a global celebrity when he led Canada through in the late 1960s and 70s, dating Barbara Streisand and developing a friendship with Fidel Castro.he phrase resurged when Justin Trudeau -- who had previously been a snowboard instructor, bartender, bouncer and teacher -- rose to the top of Canadian politics.Why can't he be our president?" Rolling Stone magazine asked on a 2017 cover, six months into Trump's first term.

Trudeau's positions seemed well pitched to left-of-center voters in Canada and beyond.

He promised action on climate change and a defence of Indigenous and refugee rights.

When asked why he prioritized gender parity in his first cabinet, Trudea famously replied, "because it's 2015."When he travelled abroad, young people lined up for selfies.

"Canada is back!" he declared after ousting an entrenched Conservative prime minister, the unquestionably less glamourous Stephen Harper, in 2015.Within Canada the honeymoon was short-lived.There were steps that pleased supporters, like a public inquiry into missing and murdered Indigenous women, legislation permitting medically assisted suicide, and the legalization of cannabis.

But on core issues like climate change and reconciliation with Indigenous communities, Trudeau "has not been the reformer that many had hoped for," said Maxwell Cameron, a political science professor at the University of British Columbia.Trudeau was narrowly re-elected to lead minority governments in 2019 and 2021."He probably stayed in power for a year too long," said Genevieve Tellier, a political science professor at the University of Ottawa.She added that the disappointment engulfing Trudeau was so acute because he "promised so much."

- Trump threat -

Trudeau, 53, has three children and announced his separation from his wife Sophie Gregoire in 2023.On Monday, he credited his family for his successful career in politics, which began when he was elected to parliament representing a working class Montreal neighborhood in

2008.As Liberal party critics came forward this year, Trudeau initially resisted calls to go.Opinion polls show the Liberals trailing the Conservatives, but Trudeau voiced confidence that once an election campaign got underway Canadians would sour on Tory leader Pierre Poilievre.

But in December he suffered a blow that appeared conclusive.His long-time ally, finance minister and deputy prime minister Chrystia Freeland resigned, issuing a scathing letter that accused Trudeau of placing his political goals above the public good.She charged that instead of preparing Canada's finances to withstand the potentially crushing impact of 25 percent import tariffs threatened by Trump, Trudeau was focused on costly vote-buying gimmicks, like a Christmas tax holiday.

While threatening tariffs, Trump has called Trudeau the "governor" of what he described as the US state of Canada, and mused about annexing the vast country.

Freeland's resignation seemed to break a dam of Liberal party dissent.On Monday Trudeau said he would resign as prime minister as soon as a new Liberal leader is chosen, a process that could take months.For Stephanie Chouinard, a political science professor at Queen's University, the Trudeau era should not be dismissed as a failure.She highlighted his social programs, which included a national plan to make early childhood care cheaper.

NEWS BOX

Nick Kyrgios named in Australia's Davis Cup squad in surprise call-up

New Delhi. Star Australian tennis player Nick Kyrgios has received an unexpected call-up for Australia's Davis Cup clash against Sweden. Kyrgios, who has struggled with injuries in the recent past, was selected by captain Lleyton Hewitt for the clash, which is scheduled to take place at the end of January.

The 29-year-old was selected alongside world number eight Alex de Minaur, Jordan Thompson and Thanasi Kokkinakis in the Australian line-up for the clash in Stockholm on Jan. 31 and Feb. 1. Kyrgios has been picked despite struggling for fitness since 2022 due to knee, foot and wrist injuries.

Kyrgios spoke about his injury issues ahead of the Australian Open and said that he

needs a miracle to have his wrist in full fitness for the first Grand Slam of the year. The tournament begins on January 15 with the men's final scheduled on January 26.Kyrgios' inclusion in the Davis Cup squad could see him rekindle his doubles partnership with Kokkinakis, with whom he won the men's doubles title at the Australian Open three years ago. He last played in the Davis Cup in November 2019 and reached the final of Wimbledon in 2022, when he lost in four sets to Novak Djokovic.Recently, Nick Kyrgios returned to court in the men's doubles alongside Novak Djokovic. The duo played in the Brisbane International where they beat Austria's Alexander Erler and Germany's Andreas Mies. Their journey as a doubles pair ended with a 6-2 3-6 10-8 defeat by top seeds Nikola Mektic and Michael Venus, who advanced to the qarter-finals.

Kyrgios played in the singles campaign in the tournament as well. Playing his first tournament since a wrist surgery in September 2023, was beaten by Frenchman Giovanni Mpetshi Perricard in a battle of big servers.

Australia dealt blow as injured Josh Hazlewood set to miss Sri Lanka series

New Delhi. Australia have been dealt a significant blow as senior pacer Josh Hazlewood is set to miss the upcoming tour of Sri Lanka due to injury. Hazlewood, who played just two Tests in the recent Border-Gavaskar Trophy against India, will not be part of the touring squad when it is announced later this week, according to The Sydney Morning Herald.

Hazlewood has been hampered by a calf injury and a side strain, which disrupted his participation in the India series. This injury will see him sidelined for the two-Test series against Sri Lanka, which is set to begin on January 29. Hazlewood's absence adds to the list of Australian absentees, as captain Pat Cummins will also miss the tour, leaving a notable gap in the fast-bowling ranks.

With an already packed schedule ahead, including the World Test Championship final against South Africa in June and the Ashes

series next summer, Hazlewood's recovery will be crucial. However, his absence in the Sri Lanka series gives the team more time to focus on his fitness without the pressure of immediate competition.While Hazlewood's fitness will be key for future fixtures, the rise of Scott Boland, who has been outstanding, brings a degree of uncertainty over the team's first-choice attack. Even if Hazlewood were fully fit, he would face stiff competition from Mitchell Starc and Boland for a spot in the starting XI.Australia's place in the World Test Championship final has already been secured, which allows the selectors to be patient with Hazlewood's recovery. The team will likely focus on building a strong squad for the longer-term fixtures.Test in Galle three years ago, is expected to play a pivotal role in the upcoming series. Despite dealing with a hip issue, Cricket Australia is confident that Lyon will be fit for both Tests. He could be joined by off-spinner Todd Murphy or left-arm orthodox spinner Matthew Kuhnemann, both of whom are strong contenders to join the squad.

OTD in 2019: Virat Kohli's India secure maiden Test series win in Australia

Virat Kohli-led India secured their first-ever Test series win on Australian soil six years back on January 7, 2019. The draw in the fourth Test sealed India's historic win in the 2018-19 Border Gavaskar Trophy.

New Delhi. January 7, 2019, marked a watershed moment in Indian cricket history, as Virat Kohli's team achieved what no other Asian side had done before—winning a Test series on Australian soil. India's victory came after persistent drizzle washed out the final day of the fourth Test in Sydney, denying them a potential 3-1 scoreline. Despite the rain's intervention, the series showcased India's dominance, as they made Australia follow-on at home for the first time since 1988.Cheteshwar Pujara, Jasprit Bumrah, Mohammed Shami, and Ishant Sharma were the main architects of India's landmark victory, dominating the hosts in the first (Adelaide), third (Melbourne), and fourth (Sydney) Tests. They stunned the Aussies, who were without their batting lynchpins, Steve Smith and David Warner, due to suspensions. Despite this, Australia fielded their full-strength bowling attack comprising Pat Cummins, Mitchell Starc, Josh Hazlewood, and Nathan Lyon, yet even they couldn't find answers against the likes of Pujara, Virat Kohli, Ajinkya Rahane, and Mayank Agarwal.Pujara stood out, amassing 521 runs in the four matches at a staggering average of 74.42, including three centuries and a fifty. He was followed by Rishabh Pant (350 runs) and Virat Kohli (282 runs). While the batsmen held their own against Australia's formidable attack, it was India's fast bowlers who inflicted the most damage.January 7, 2019, marked a watershed moment in Indian cricket

history, as Virat Kohli's team achieved what no other Asian side had done before—winning a Test series on Australian soil. India's victory came after persistent drizzle washed out the final day of the fourth Test in Sydney, denying them a potential 3-1 scoreline. Despite the rain's intervention, the series showcased India's dominance, as they made Australia follow-on at home for the first time since 1988.Cheteshwar Pujara, Jasprit Bumrah, Mohammed Shami, and Ishant Sharma were the main architects of India's landmark victory, dominating the hosts in the first (Adelaide), third (Melbourne), and fourth (Sydney) Tests. They stunned the Aussies, who were without their batting lynchpins, Steve Smith and David Warner, due to suspensions. Despite this, Australia fielded their full-strength bowling attack comprising Pat Cummins, Mitchell Starc, Josh Hazlewood, and Nathan Lyon, yet even they couldn't find answers against the likes of Pujara, Virat Kohli, Ajinkya Rahane, and Mayank Agarwal.Pujara stood out amassing 521 runs in the four matches at a staggering average of 74.42, including three centuries and a fifty. He was followed by Rishabh Pant (350 runs) and Virat Kohli (282 runs). While the batsmen held their own against Australia's formidable attack, it was India's fast bowlers who inflicted the most damage.

Manchester City's Rodri shares major injury return update: Everything going well

New Delhi 2024 Ballon d'Or winner and Manchester City's midfield maestro, Rodri, is gearing up to make his much-anticipated return to the pitch following a lengthy recovery from an ACL injury. The Spanish star has been sidelined since September 2024, when he sustained a ligament injury during a heated clash against Arsenal.

Rodri recently shared with Diario AS that his rehabilitation is progressing well, raising hopes of a return this season. His comeback could not be timelier, with Manchester City experiencing one of their most challenging runs in recent memory. Without Rodri orchestrating play from midfield, the reigning Premier League champions have slipped to sixth in the league, managing just two wins in their last 11 fixtures across all competitions.Yes, Yes, Yes!(On his return) Also, I know myself. I'm a person who recovers well, with a positive mentality. The issue of the head was very important in recovery. Everything is going very well now from both physical and mental points of view to return as soon as possible," Rodri said.

The Rodri-Shaped Void

City's struggles in Rodri's absence have been glaring. Opponents have exploited the lack of defensive stability in midfield, finding spaces that the Spaniard would have typically closed down. The impact of his absence was especially evident in their crushing 4-1 loss to Sporting CP, where Viktor Gy¶keres exposed City's frailties with his relentless pace. Similarly, against arch-rivals Manchester United, under Ruben Amorim, City's midfield looked vulnerable and outmatched.Pep Guardiola has attempted to plug the gap by deploying Bernardo Silva and Jeremy Doku in deeper roles, but neither has managed to replicate Rodri's unparalleled ability to dictate the tempo and shield the defense. The team's usual cohesion and tactical precision have been missing, leaving them looking uncharacteristically disjointed.

Hope on the Horizon

Rodri's return could be the catalyst City needs to reignite their season. The midfielder's presence brings not just defensive solidity but also an attacking edge, with his ability to launch counter-attacks and contribute crucial goals.For City supporters, his recovery offers a glimmer of hope amid a turbulent campaign. With key players returning to fitness, Guardiola will look to steer his side back to the form that has defined their dominance in recent years. Rodri's comeback could be the turning point in a season hanging precariously in the balance.

Has Border-Gavaskar Trophy surpassed popularity of Ashes Ponting explains

New Delhi. The Border-Gavaskar Trophy saw a record crowd attend all five matches of the series. The bilateral series shattered the records to become the most attended non-Ashes series in the history of Australian cricket. A total of 837,879 people attended the games in the stadiums, which awed the commentators during the tenure of the series.The BGT was the fourth most attended series in Australian cricket history, behind the 1936-37, 2017-18, and 1946-47 Ashes series. Former Australia captain Ricky Ponting was asked about the growing popularity of the Border-Gavaskar Trophy and whether it had surpassed the Ashes.Ponting said that there was no doubt that the BGT was growing by leaps and bounds, but the fans will get to know which series is more popular when England visit Australia later in 2025."I had a look at the numbers yesterday, it was something like 837,000 people came to watch the Test matches, which is unheard of here in Australia," Ponting told The ICC Review."So now that this series has happened, Australia have England coming out next summer so we'll get a better idea then. If the numbers aren't the same, then there'll be no doubt that the (Border-Gavaskar) rivalry (is bigger), certainly from the fans' point of view," Ponting added.

"There's two separate parts to this: There's what the fans want to see and the rivalry that they want to make of it, but it's also how the players view the rivalry between the three teams now," Ponting said.

Ponting rightly pointed out the series figures could have been even bigger if the Test matches went all 5 days. Only the Boxing Day Test match in Melbourne went to the final day in the entire series. Matches in Adelaide and Sydney finished in just 3 days."Perth only went four days, Adelaide only went three days, Sydney only went three days," Ponting continued.

"Those numbers would have been astronomical if those Test matches all went five days. So exactly this time next year, we'll have a great idea of the biggest rivalry in world cricket," concluded the legendary cricketer.

Jasprit Bumrah rues missing out on spiciest pitch of series: Cannot fight my body

New Delhi Sir Alex Ferguson, David Beckham, and other Manchester United icons paid their respects on Monday at the funeral of Kath Phipps, a legend in her own right and the club's beloved former receptionist. The ceremony was also attended by a host of Manchester United legends, including Ryan Giggs, Paul Scholes, Nicky Butt, Roy Keane, and Bryan Robson.

Current manager Ruben Amorim and his squad—fresh from their spirited 2-2 draw with league leaders Liverpool at Anfield on Sunday night—also attended the funeral service held at Manchester Cathedral. Phipps, who dedicated 56 years of her life to Manchester United, was described as a "one-woman institution" when the club announced her passing at the age of 85 on December 5.In his eulogy, Ferguson reminisced about Phipps' unwavering dedication and warm personality. "Kath was more than an employee; she was the heart and soul of Manchester United. Her love for people and her infectious joy left a lasting impression on everyone she met," he said. Reflecting on a recent visit, he fondly recounted her cheeky humor, even joking about enjoying a Bacardi and Coke.David Beckham, who attended alongside his mother Sandra, described Phipps as "the heartbeat of Manchester United." He recalled her as the first and last face he saw on matchdays, always ready with a smile and his tickets.

Kath Phipps joined United in 1968 as the club's first switchboard operator during Sir Matt Busby's tenure. Over the years, her role evolved, but her commitment remained steadfast. From managing the directors' entrance at Old Trafford to welcoming visitors at the Carrington training ground, Phipps epitomized the family spirit that defines Manchester United.In May 2022, she was honored with a Service to Football Award, recognizing her remarkable contributions to the sport. Manchester United's statement on her passing highlighted her unmatched legacy: "For over five decades, Kath was an omnipresent figure, embodying the club's culture with warmth and dedication."

The service saw tributes from both former and current players, emphasizing Phipps' influence across generations. Phil Jones, who joined the club as a teenager, described her as "the first face you would see in the morning, always full of positivity."

Kath Phipps leaves behind an indelible legacy, celebrated by a Manchester United family that spans eras. The club's cherished receptionist will be remembered not just for her service, but for the warmth and humanity she brought to every corner of Old Trafford.

Shubman Gill is highly overrated, India should pick Gaikwad or Sudharsan: Srikkanth

Former India captain Kris Srikkanth slammed Shubman Gill for his performances in the Border Gavaskar Trophy, questioning him for his below-par contribution.

New Delhi. Former India captain and chief selector Kris Srikkanth has slammed Shubman Gill for his poor performances outside Asia, labelling the Indian No. 3 batter as a "highly overrated cricketer."Apart from Yashasvi Jaiswal, no Indian batter has consistently met the demanding standards required to succeed in Australia. While Nitish Kumar Reddy, Rishabh Pant, and KL Rahul have shown flashes of brilliance, they have struggled to perform collectively when the team needed them the most.Among them, Shubman Gill, often hailed as the next big thing in Indian cricket, has been given substantial support from the selection committee. However, his performances, especially in overseas conditions, have fallen short of expectations, raising concerns about his ability to deliver on the big stage.Gill, who had a breakout debut series in Australia in 2020/21, has struggled to score runs outside Asia since then, averaging just 17.64 across 18 innings. He has failed to cross the 40-run mark even once during this period and endured a disappointing 2024/25 Border Gavaskar Trophy, managing scores of 13, 20, 1, 28, and 31."I've always maintained that Shubman Gill is an overrated cricketer, but nobody listened to me. He is a highly overrated cricketer," Srikkanth said on his YouTube channel.Srikkanth questioned the selectors for persisting with Gill for an extended period while denying similar

opportunities to players like Suryakumar Yadav. Suryakumar was dropped after a single outing against Australia in Nagpur and has since been confined to white-ball cricket.

"When Gill is getting such a long rope, some people might wonder why even players like Suryakumar Yadav couldn't have been given a longer run in Tests," the former India captain remarked."Suryakumar didn't have the best start in Tests, but he has the technique and ability. Yet, the selectors and management have boxed him into being a white-ball specialist. So now, fresh talent needs to be looked at."Srikkanth urged the team management to consider players like Ruturaj Gaikwad and Sai Sudharsan, who, in his opinion, deserve opportunities ahead of Gill."Ruturaj Gaikwad, for instance, has been performing brilliantly in first-class cricket, but he hasn't been picked. Similarly, Sai Sudharsan has been outstanding on 'A' tours. These are the players who should be promoted. Instead, the selectors are stuck in a loop with Gill," Srikkanth said."Gill is surviving because he gets ten chances and scores on the tenth after nine failures.

Kiara Advani's

Denim Dress Is A 'Game Changer', We Are Not Joking

Kiara Advani continues to leave us in awe with her impeccable style. Whether it's elegant ethnic wear, glamorous ensembles, or trendy dresses, the actress knows how to make a statement effortlessly. Recently, the 33-year-old, currently busy promoting her upcoming film Game Changer, was spotted at a luxurious Mumbai hotel, turning heads in a chic denim outfit.Kiara Advani stepped out in a stunning denim midi dress that was a mix of comfort and style. The sleeveless outfit featured golden button detailing along the dress apart front and practical pockets. What truly set the were the intricate denim braids accentuating the front pockets, armholes, round neckline and midriff.

For the accessories, Kiara opted for delicate golden earrings and a few rings. She kept her makeup minimal and left her hair open in loose curls, further complementing her facial features. To add a contrast to her look, the Satyaprem ki Katha actress wore white pointed heels.

In the video shared by a paparazzo page, Kiara can be seen briefly posing for the photographers at the hotel entrance. She said, "Thank you" to the paparazzi with folded hands before proceeding to the event inside.

Speaking of Kiara's work front, the 33-year-old is gearing up for the release of her Telegu-language movie Game Changer. Starring Ram Charan, the upcoming political action thriller follows the story of an honest IAS officer who takes on a corrupt political system that destroyed his father's dream of a corruption-free nation. The South superstar will be playing a triple role in the film, whereas Kiara will portray the character of Charan's wife. The much-awaited action thriller, directed by S. Shankar, is all set to hit theatres on January 10, 2025.

Apart from Game Changer, Kiara will appear in War 2, which will star Hrithik Roshan and Jr. NTR. Directed by Ayan Mukerji, the film is scheduled to be released in the second half of 2025. A sequel to the 2019 action-thriller film War, War 2 is the sixth movie of the YRF Spy Universe. On the other hand, Kiara is also filming for Toxic, co-starring Yash, Nayanthara, Huma Qureshi and others.Kiara's recent appearance comes days after reports surfaced in the media claiming that the actress was hospitalised.

Sara Ali Khan

Begins 'Saal Ka Pehla Somvaar' With Visit To Srisailam Mallikarjun Jyotirling Temple

Sara Ali Khan loves to explore the world but she is also spiritual at the same time. The actress has often shared photos from her temple visits. This year She also started her year with a visit to Srisailam Mallikarjun Jyotirling Temple. In no time the photos went viral with fans reacting to it. Many also dropped heart emojis in the comment section.Taking to her Instagram handle, Sara shared photos in which she is seen wearing white colour ethnic wear and seeking blessings. "Sara ke Saal ka pehla Somvaar. Jai Bholenath," read the caption. One of the fans wrote, "You are blessed by Shankara.' Another wrote, "All the best for Skyforce." Sara will be next seen in Skyforce with Akshay Kumar, Veer Pahariya and Nimrat Kaur. Recently, the trailer was also released.

The trailer reveals that Sky Force is set against the dramatic and patriotic canvas of the 1965 India-Pakistan Air War. In the movie, Akshay Kumar will be seen in his intense avatar once again. Veer Pahariya will also be making his acting debut with this film. The two will be playing the role of Indian Air Force officers in Sky Force.In the trailer, Akshay Kumar gives a stern warning to Pakistan when he decides to go ahead and launch India's first air strike. While he manages to teach the neighbouring country a lesson, Veer Pahariya goes missing during the strike. Akshay believes that Veer was left in Pakistan during the strike and is still alive. However, the Indian government fails to find him.

Sara Ali Khan will be playing the role of Veer's lover in the movie. Among others, Nirmat Kaur and Sharad Kelkar will also be seen playing prominent roles in the movie. Directed by Sandeep Kewlani and Abhishek Kapur, Sky Force is

produced by Dinesh Vijan, Amar Kaushik, and Jyoti Deshpande. The film is set to release globally on January 24, 2025, during the Republic Day weekend.

Sara Ali Khan will also share the screen space with Ayushmann Khurrana for the first time in an upcoming action comedy film. This fresh pairing has generated a lot of buzz. Dharma Productions and Sikhya Entertainment will produce the film. The film, yet to be named, will be directed by Aakash Kaushik and is expected to be a unique spy comedy. However, this is the first time Ayushmann Khurrana is working with Karan Johar.

Yuzvendra Chahal Spotted With Mystery Girl Amid Divorce Rumours; Blake Lively's Viral Intimacy Video With Justin Baldoni Sparks Row

Amid his divorce rumours with wife Dhanashree Verma, cricketer Yuzvendra Chahal was recently spotted with a mystery girl in Mumbai. A video shared by The New Indian shows Chahal in a Mumbai hotel with a mysterious girl. The cricketer is seen dressed in a casual white oversized t-shirt paired with baggy light blue jeans. On the other hand, the girl is seen sporting a dark green oversized sweatshirt.

The ongoing feud between Blake Lively and It Ends With Us director Justin Baldoni has quickly become the latest celebrity scandal captivating social media. Following Lively's formal lawsuit against Baldoni, accusing him of harassment and orchestrating a campaign to tarnish her reputation after she spoke out about her treatment on set, Baldoni is reportedly preparing to counter with legal action of his own. Baldoni, who has already filed a $250 million libel lawsuit against The New York Times over its coverage of Lively's allegations, has denied the claims and released screenshots of messages between him, Lively, and the team to refute her accusations.

Sriram Raghavan's forthcoming movie, Ikkis, is set to captivate audiences with a compelling narrative while introducing movie-goers to two promising newcomers—Agastya Nanda and Simar Bhatia. Ahead of Simar's Bollywood debut, her uncle, Akshay Kumar, has penned a heartfelt note for her.

Ajay Devgn, his nephew Aaman Devgan, Raveena Tandon's daughter Rasha Thadani recently attended the trailer launch of their upcoming film 'Azaad'. This film marks the debut of Aaman, and Rasha. During the trailer launch, Ajay Devgn expressed his deep connection to the project, and said that the film is 'extremely special' to him. He opened up about his bond with his nephew, and said that Aaman is not just like his son, he is truly a son to him.

Katrina Kaif, Vicky Kaushal Twin In Black, Get Papped Post Attending Isabelle's Birthday Bash

Katrina Kaif and Vicky Kaushal are one of the most adorable couples in Bollywood. They often impress fans with their chemistry. Recently, the couple was spotted in the city celebrating Katrina's sister Isabelle's birthday. The video of their outing has gone viral on social media.In the video, shared by Voompla, we can see Vicky and Katrina twinning in black and looking very cool. Both walked hand in hand, navigating the crowd outside the restaurant. Both also smile for the paps. Many fans dropped heart emojis in the comment section. Katrina and Vicky have also shared photos on their Instagram stories to wish Isabelle on her birthday.

Recently spotted at the Mumbai airport after their New Year celebration, the duo charmed fans with their effortless style and a particularly sweet moment that left netizens gushing. In a video shared by paparazzi on January 3, the Chhaava actor was seen escorting Katrina to their car, ensuring she safely got in before closing the door for her. This thoughtful act earned Vicky the title of the "greenest flag" from fans, who showered the couple with love in the form of red-heart, heart-eye, and nazar amulet emojis on social media.The couple posed graciously for the paparazzi, their smiles lighting up the airport. Fans couldn't get enough of their chemistry, with comments ranging from "Katy cute lag rahi hain" to "Perfect pair."

Style-wise, Katrina kept it chic and casual in a breezy blue maxi dress with white prints, complemented by minimal makeup, a ponytail, and crisscross sandals. She completed the look with a pair of black sunglasses that added an understated edge. Vicky, on the other hand, matched her effortless vibe in an off-white sweatshirt paired with cargo pants and white sneakers. He accessorised with a black cap and matching sunglasses, delivering a perfect mix of comfort and style.

On the work front, Vicky has an impressive lineup ahead. He will star in Chhaava, a biographical period drama alongside Rashmika Mandanna, as well as Love & War and Mahavatar. Meanwhile, Katrina Kaif recently appeared in Sriram Raghavan's Merry Christmas and is likely gearing up for more exciting projects.